24- MAR- CITY- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 3/24/2024 10:42 PM Page 1

बिलासपुर, सोमवार 25 मार्च 2024

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अनूठी परंपरा : ब्रज में ही नहीं, छत्तीसगढ़ के पंतोरा में भी होती है लट्ठमार होली

अश्वनी मिश्रा ▶▶ कोरबा

होली पर्व को लेकर ग्रामीण अंचलों में कुछ प्राचीन परंपराएं दशकों से चली आ रही हैं। जिसे बदलने का साहस अभी भी किसी में नहीं है। ऐसी कुछ परंपराएं जिले में भी चली आ रही है। गांव धमनागुड़ी और खरहरी में किसी अनहोनी की आशंका से जहां होली नहीं खेली जाती वहीं पंतोरा गांव में लोगों को बीमारी से बचाने गांव की कुंवारी कन्याएं

रंग पंचमी के दिन मथुरा वृंदावन की तरह लट्ठमार होली खेलकर रंग पंचमी मनाती हैं, ग्रामीण इस परंपरा का निर्वहन डंगनहाई होली के नाम से करते हैं। हालांकि यहां मनाए जाने वाले रंग पंचमी के इस पर्व का मथुरा वृंदावन की लट्ठमार होली से कोई संबंध नहीं है। जिले के ग्राम पंतोरा के ग्रामीणों की मानें तो उन्होंने अपने बुजुर्गों को इस परंपरा को मनाते देखा है और इसलिए वे भी दशकों से पीढ़ी दर पीढ़ी इसका निर्वहन कर रहे हैं। 81 वर्षीय बुजुर्ग व्यास नारायण जायसवाल जो कुछ बताते हैं उसके अनुसार इसकी शुरूआत ▶▶ शेष पेज 6 पर

कई गांव के लोग आते हैं पंतोरा

मंदिर में पूजा अर्चना की जिम्मेदारी उठाने वाले बैगा बीपत राम अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं, जो मंदिर की पूजा परंपरा को निभा रहे हैं। उनकी मानें तो अब तक उन्होंने ऐसा कोई मामला नहीं देखा, जिसमें कोई बीमार व्यक्ति पंचमी के दिन कुंवारी कन्याओं के डंडे से मार खाया हो और स्वस्थ्य न हुआ हो। अन्य गांव के लोग ग्राम पंतोरा लठमार होली खेलने आते हैं। बीपत राम कहते हैं कि मथुरा वृंदावन से आकर यहां लठमार होली की शुरुआत करवाने की बात सही नहीं है। पहले तो इसे डंगनाही होली के नाम से ही जाना जाता रहा है। बदलते दौर के साथ अब लठ मार होली बोलने लग गए हैं लेकिन गांव के बुजुर्ग इसे आज डंगनाही होली ही कहते थे।

पांच देवताओं की होती है पूजा

होली के पंचमी के दिन डंगनहाई होली के नाम से इस परंपरा को शुरु करने के पहले मंदिर में स्थापित पांच देवताओं की प्रतिमा का कुंवारी कन्याओं के द्वारा बांस के डंगाल से पांच बार उन्हें स्पर्श कराकर पूजा-अर्चना की जाती है। फिर नगाड़े की थाप के साथ मंदिर से कुंवारी कन्याएं बांस की डंगाल लेकर बाहर निकलती है। इस दौरान रास्ते में सामने उनके सामने आता है उस पर बांस के डंडे से प्रहार शुरु करती है। इसके पीछे मान्यता यह है कि बांस के डंडे में मां भवानी का प्रताप रहता है और शरीर में मौजूद तमाम तरह की बीमारियां डंडे के प्रहार से दूर हो जाती है। गांव के बुजुर्ग इसका दावा भी करते हैं।

होली पर्व की शुभकामनाएं

रंगों के त्योहार होली की सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 25 और 26 मार्च को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 28 मार्च गुरुवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।
प्रधान संपादक

खबर संक्षेप

3.25 करोड़ का ड्रग्स जब्त, 12 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ ने पिछले एक महीने में 16 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए है। इसकी अनुमानित कीमत 3.25 करोड़ रुपए है। इस संबंध में 12 तस्करों को गिरफ्तार किया है। सहार गांव, नालासोपारा, सांताक्रूज, कुर्ला, भायखला और अन्य इलाकों से लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अलग-अलग मात्रा में मेफेड्रोन (एमडी), हेरोइन और गांजा समेत नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं।

दोपहिया वाहनों के शोरूम में लगी आग

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के करोल बाग इलाके में रविवार को दोपहिया वाहनों के एक शोरूम में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें सुबह साढ़े 10 बजे दोपहिया वाहनों के एक शोरूम में आग लगने की सूचना मिली। दमकल के दो वाहनों को घटनास्थल भेजा गया है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, तीन की मौत

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एक कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना शनिवार देर रात इंग्लिश बाजार थाना क्षेत्र के जादूपुर में मालदा बाइपास पर हुई। ट्रक ने पीछे से कार में टक्कर मार दी, जिससे कार में बैठे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

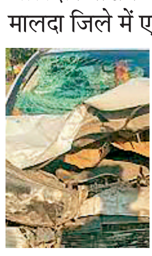

देर रात भाजपा की 5वीं लिस्ट जारी, 111 प्रत्याशी किए घोषित

भाजपा ने नवीन, कंगना, अरुण गोविल जितिन को मैदान में उतारा, वरुण खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पांचवीं लिस्ट जारी कर दी है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र सीट से कुछ देर पहले बीजेपी ज्वाइन करने वाले नवीन जिंदल को उतारा गया है। वहीं वरुण गांधी का टिकट काटकर उनकी जगह पीलीभीत से जितिन प्रसाद को टिकट दिया गया है, वहीं मंडी सीट से अभिनेत्री कंगना रनौत उम्मीदवार होंगी। मेरठ से फिल्म अभिनेता अरुण गोविल को प्रत्याशी बनाया गया है। मेनका गांधी को सुल्तानपुर से टिकट दिया गया है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने रविवार रात अपनी पांचवीं लिस्ट जारी कर दी। इस सूची में यूपी-बिहार समेत तमाम अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। बीजेपी ने हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से कंगना रनौत को उम्मीदवार बनाया है, जबकि यूपी की पीलीभीत सीट से वरुण गांधी का टिकट कट गया है। उनकी जगह जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है।

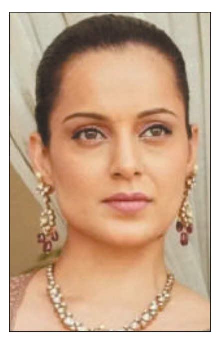

प्रमुख चेहरे, जिन्हें बीजेपी ने दिया टिकट

भारतीय जनता पार्टी की पांचवी लिस्ट में बिहार के बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को पाटलीपुत्रा और रविशंकर प्रसाद को पटना साहिब से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्वी चंपारण से पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी ठाकुर के पुत्र और राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर को नवादा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। नित्यानंद राय उजियारपुर से चुनाव लड़ेंगे।

गुजरात में 6 उम्मीदवार घोषित

भाजपा ने गुजरात में लोकसभा के छह उम्मीदवारों के नाम भी घोषित किए हैं, इनमें जूनागढ़ से राजेश चुडासमा, मेहसाणा से हरि पटेल, साबरकांठा से शभना बेन बरिया, वडोदरा डॉ. हेमांग जिशी, अमरेली भरत भाई सुतारिया, सुरेंद्रनगर से चंदूभाई शियोहोरा को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा ने वडोदरा और साबरकांठा के उम्मीदवारों को बदल दिया है और नाम फिर से घोषित किए हैं। जिन उम्मीदवारों के नाम पहले घोषित किए गए थे, उन्होंने अपने नाम वापस ले लिए थे, इसलिए पार्टी को प्रत्याशी बदलने पड़े।

इन नेताओं का कटा टिकट

भाजपा ने पांचवी सूची में कुछ मंत्रियों और कुछ सांसदों का टिकट काट दिया है, इनमें केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, अश्विनी चौबे, वरुण गांधी शामिल हैं। वहीं कुछ सीटों पर उम्मीदवार भी बदले गए हैं. पार्टी की तरफ से झारखंड के दुमका सीट पर पहले घोषित उम्मीदवार सुनील सोरेन का टिकट काटकर सीता सोरेन को उम्मीदवार बनाया गया है।

यूपी में इन्हें बनाया प्रत्याशी

बीजेपी ने यूपी के 13 और प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। पहले 51 और अब 13 मिलाकर कुल 64 नाम घोषित हो चुके हैं। सहयोगियों को सीटें देने के बाद बीजेपी 75 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बरेली से वरिष्ठ नेता संतोष गंगवार की जगह छत्रपाल गंगवार को टिकट मिला है। बाराबंकी से वीडियो वायरल होने के बाद नए प्रत्याशी को मौका दिया गया है। बदायूं से संघमित्रा मौर्या का भी टिकट कट गया है। हाथरस से मौजूदा सांसद राजवीर सिंह की जगह अनूप वाल्मीकि को टिकट दिया गया है।

अमित का राजनीति से संन्यास, कहा आज की राजनीति मेरे स्वभाव में नहीं

हो. स. ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में कभी तीसरे मोर्चे के रूप में उभरी छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के सर्वेसर्वा अमित जोगी ने अचानक बड़ा फैसला ले लिया। उन्होंने अचानक रात आठ बजे के बाद सोशल मीडिया हेंडल एक्स और फेसबुक पर अपने राजनीति से सन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने मैसेज में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा है कि वे सहज और सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। वर्तमान में बदले की राजनीति चल रही है। इस तरह की राजनीति करना उनके स्वभाव में नहीं है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा में एक भी सीट न मिलने के बाद पार्टी अब लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका तय नहीं कर पा रही। कई बार उनकी पार्टी का विलय भाजपा में करने की खबरें भी उड़ी हैं। लेकिन भाजपा की तरफ से कोई प्रतिक्रिया न पाकर पार्टी के कार्यकर्ता भी निराश हो रहे थे। अमित ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि जिस तरह की राजनीति प्रदेश में अभी चल रही है, उसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी। दलित और ▶▶ शेष पेज 6 पर

जोगी के नाम से बनाएंगे एनजीओ

अमित जोगी दलितों की सेवा को आगे बढ़ाने के लिए अपने पिता और छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के नाम से एक एनजीओ बनाकर कार्य करेंगे। वे एनजीओ गठन कर प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में दलितों उत्थान के लिए कार्य करेंगे। इसकी शुरुआत वे अपने गृह जिले मरवाही-गौरला-पेंड्रा से करेंगे। प्रदेश के बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में भी एनजीओ का विस्तार करने की योजना उन्होंने बनाई है।

वकालत पर देंगे ध्यान

अमित जोगी ने राजनीति से संन्यास लेने के बाद पार्ट टाइम वकालत करने की योजना बनाई है। अपनी कानून की डिग्री का उपयोग करते हुए हाईकोर्ट में विशेष प्रकरणों में लोगों की मदद के लिए वकालत करेंगे। वे चाहते हैं कि दलितों के कई मामलों में उन्हें न्याय नहीं मिल पाता, उनके लिए सुलभ रहेंगे। साथ ही वकालत के क्षेत्र में आने वाले नए लोगों को इस क्षेत्र के बारीकियों के बारे में बताएंगे।

सागौन बंगला किया खाली

अमित जोगी ने पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर अजीत जोगी को मिले सागौन बंगले में ही अपनी मां डॉ. रेणु जागी तथा अपने परिवार के साथ निवास कर रहे थे। श्री जोगी के निधन के बाद यह बंगला सरकार ने खाली करने का नोटिस दिया। सिविल लाइंस में उनका नया बंगला बनकर तैयार होने के बाद उन्होंने शनिवार को यह बंगला खाली कर दिया। सागौन बंगला खाली करने के साथ ही उनके स्वभाव में एक परिवर्तन देखने को मिला और उन्होंने बड़ा निर्णय लेते हुए राजनीति से ही संन्यास लेने की घोषणा कर दी।

जुनेजा की संविदा हो रही खत्म
दो वरिष्ठों के रहते गुप्ता को मौका

होली के बाद होगी जुनेजा की विदाई, हिमांशु गुप्ता बनेंगे छत्तीसगढ़ के नए डीजी

हो. स. ▶▶ रायपुर

होली से पहले सरकार ने छत्तीरसगढ़ का नया डीजीपी तय कर लिया। सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा 1994 बैच के अधिकारी हिमांशु गुप्ता पर भरोसा जताया है। वे अशोक जुनेजा का स्थान लेंगे। श्री जुनेजा रिटायर हो चुके हैं, लेकिन पिछली सरकार के समय दिए गए सेवा विस्तार के आधार पर अब तक कार्य कर रहे थे। डीजीपी पद की दौड़ श्री गुप्ता से दो साल वरिष्ठ दो अन्य अधिकारी भी शामिल थे, लेकिन राज्य सरकार ने हिमांशु गुप्ता पर भरोसा जताया है।

सूत्रों के अनुसार नए डीजी का आदेश जल्द जारी किया जाएगा। राज्य पुलिस के नए डीजीपी हिमांशु गुप्ता जल्द ही अपना नया कार्यभार ग्रहण करेंगे। इससे पूर्व अब तक वे एडीजी के रूप में सेवाएं दे रहे थे। श्री गुप्ता छत्तीसगढ़ पुलिस में लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ के कई जिलों में एसपी के रूप में काम करने के साथ ही पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के रूप में भी काम कर चुके हैं। राज्य की नौकरशाही में उन्हें एक अनुभवी और तेजतर्रार अधिकारी माना जाता है।

पवन देव और अरुण देव भी शामिल थे दौड़ में

राज्य के डीजीपी पद के लिए 1992 बैच के आईपीएस पवन देव और उनके समकालीन अरुण देव गौतम 1992 बैच भी प्रमुख रूप से दावेदार के रूप में उभरे थे। अरुण देव गौतम के बारे में माना जा रहा था कि उन्हें राज्य पुलिस प्रमुख बना दिया जाएगा। जबकि पवन देव के मामले में पुराने न्यायालयीन केस आड़े आते दिख रहे थे। इसी तरह राजेश मिश्रा को डीजीपी बनाए जाने की चर्चा थी। उनके प्रमोशन के आदेश का इंतजार रिटायरमेंट के अंतिम दिन के अंतिम घंटों तक किया जा रहा था, लेकिन यह आदेश नहीं आया। रिटायरमेंट के बाद श्री मिश्रा को राज्य सरकार ने संविदा नियुक्ति दी और उन्हें जेल डीजी बनाया गया है।

रडार में आए सभी नेताओं और अफसरों के चयनित रिश्तेदार

पीएससी टापर्स 2022 की होगी 'परीक्षा'

हो. स. ▶▶ रायपुर

पीएससी भर्ती परीक्षा 2022 में एक नया मोड़ आ गया है। सीबीआई जांच के बाद अब फैसला लिया गया है कि 2022 की हो चुकी भर्ती परीक्षा रद्द करते हुए दोबारा परीक्षाएं ली जाएंगी। जिन अधिकारियों और नेताओं के रिश्तेदारों का पीएससी के जरिए चयन हुआ है, उन सभी का आईक्यू लेवल जांचा जाएगा। इस बात की जांच होगी कि आखिर वे राज्य की इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण करने के योग्य थे अथवा उन्हें अवैधानिक ▶▶ शेष पेज 6 पर

सीबीआई जांच के बाद फैसला

इन्हें दिलानी होगी दोबारा परीक्षा

जारी किए गए आदेश के अनुसार, जिन चयनित उम्मीदवारों को दोबारा परीक्षा दिलानी होगी उनमें टॉमन सोनवानी का बेटा नितेश, बड़े भाई का बेटा साहिल, बहु निशा कोसले, भाई बहु दीपा अजगले, बहन की बेटी सुनिता जोशी तथा उनके एक करीबी की बेटी मीनाक्षी गनवरी का नाम शामिल है। इनके अलावा सोनवानी के कुछ करीबी भी हैं।

80 लाख में हुआ सौदा

सूत्रों के अनुसार, सीबीआई ने जो जांच रिपोर्ट सौंपी है, उसमें पूर्व अध्यक्ष टॉमन सोनवानी को मुख्य आरोपी बताया गया है। उन्होंने ही नेताओं और अधिकारियों से अन्य व्यक्तियों के जरिए संपर्क किया। एक व्यक्ति को चयनित करने 80 लाख रुपए कीमत रखी गई थी। एक ही परिवार के एक से अधिक व्यक्ति का चयन किए जाने पर 10 लाख रुपए का डिस्काउंट दिया गया। बैंक खाते संबंधित जानकारी भी जुटाई जा रही है, ताकि वित्तीय अनियमितताएं स्पष्ट रूप से उजागर की जा सकें।

बिलासपुर, सोमवार 25 मार्च 2024 haribhoomi.com

हरिभूमि रण भूमि लोकसभा सत्ता संग्राम-2024

> विधानसभा चुनावों में हाईप्रोफाइल सीट रही राजनांदगांव अब लोकसभा चुनाव में भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मैदान में उतरने से रोचक हो गई है। प्रदेश के साथ ही देशभर की नजरें इस सीट पर बनी हुई है। भाजपा जहां मौजूदा सांसद संतोष पांडे को दोबारा मैदान में उतारकर मोदी मैजिक के सहारे जीत दर्ज करने में लगी हुई है। वहीं कांग्रेस ओबीसी वर्ग से आने वाले पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सहारे पिछले दो दशक से अभेद राजनांदगांव सीट पर अपनी वापसी करना चाहती है।

जातिगत समीकरण बेअसर, 15 सांसदों में सामान्य वर्ग के 14

राजनांदगांव लोकसभा

सात दशकों में सिर्फ एक महिला ही बनीं सांसद

राजनांदगांव लोकसभा में सर्वाधिक है ओबीसी वर्ग की जनसंख्या

एक बार ही ओबीसी वर्ग के उम्मीदवार ने जीती यह सीट

सत्यम शर्मा ▸▸ राजनांदगांव

मौजूदा राजनीति में जातिगत समीकरण को बहुत महत्व दिया जाने लगा है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर सर्वे करने वाले भी परिणाम का आंकलन उस क्षेत्र में जाति के लोगों की संख्या देखकर करने लगे हैं, लेकिन राजनांदगांव लोकसभा सीट इस समीकरण के विपरीत परिणाम देती रही है।

राजनांदगांव लोकसभा में ओबीसी वर्ग की जनसंख्या सर्वाधिक है। यहां साहू समाज से लेकर लोधी, चंद्रवंशी, यादव और अन्य ओबीसी समाज के वोटरों की संख्या अधिक है। आदिवासी जनसंख्या भी लाखों में है, लेकिन इसके बावजूद पिछले सात दशकों में इस सीट से सामान्य वर्ग का उम्मीदवार ही सांसद बनते आया है। 1952 में पहली बार हुए लोकसभा के आम चुनाव से लेकर अब तक केवल एक दफा ही ओबीसी वर्ग के उम्मीदवार ने इस सीट से जीत दर्ज कर पाई है।

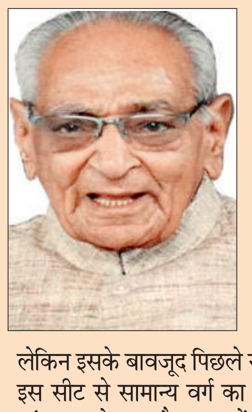

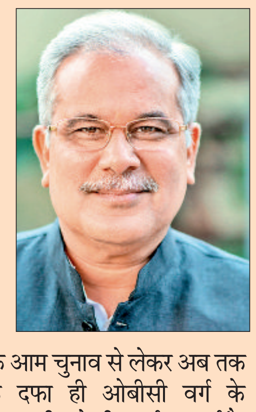

इकलौती महिला सांसद रही हैं पद्मावती देवी

राजनांदगांव लोकसभा से अब तक केवल एक ही महिला ने जीत हासिल की है। करीबन पांच दशक पहले 1967 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से उम्मीदवार बनाई गई पद्मावती देवी ने सीपीआई के प्रत्याशी रहे पी. राय को लगभग 86 हजार मतों से हराया था। इसके बाद 1971 में भी वे चुनावी मैदान में थी, लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस से उम्मीदवार बनाए गए राम सहाय पांडे के हाथों उन्हें शिकस्त मिली। इस चुनाव के बाद से कभी महिला प्रत्याशी ने जीत हासिल नहीं की है।

ये रहे अब तक के सांसद

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के पहले सांसद 1957 में कांग्रेस के राजा बहादुर सिंह रहे, 1962 में भी इन्हें ही जीत मिली। 1967 में कांग्रेस प्रत्याशी रही पद्मावती देवी, 1971 में कांग्रेस प्रत्याशी रहे राम सहाय पांडे, 1977 में जनता पार्टी के प्रत्याशी मदन तिवारी, 1980 और 1984 में कांग्रेस के शिवेंद्र बहादुर सिंह, 1989 में भाजपा प्रत्याशी धर्मपाल सिंह गुप्ता, 1991 में कांग्रेस के शिवेंद्र बहादुर सिंह, 1996 में भाजपा के अशोक शर्मा, 1998 में कांग्रेस के मोतीलाल वोरा, 1999 में भाजपा के डॉ. रमन सिंह, 2004 में भाजपा के प्रदीप गांधी, 2007 के उपचुनाव में कांग्रेस के देवव्रत सिंह, 2009 में भाजपा के मधुसूदन यादव, 2014 में भाजपा के अभिषेक सिंह और 2019 में भाजपा के संतोष पांडे सांसद बने।

तीन मुख्यमंत्रियों का रहा नाता

राजनांदगांव लोकसभा सीट काफी पहले से ही हाईप्रोफाइल सीटों में शामिल रही है। इस सीट से तीन मुख्यमंत्रियों का नाता रहा है। अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके कांग्रेस के दिग्गज नेता मोतीलाल वोरा ने इस सीट से 1998 और 1999 में लोकसभा चुनाव लड़ा। जिसमें 1998 में उन्हें जीत मिली थी। ऐसे ही 1999 में दिग्गज नेता मोतीलाल वोरा को हराने वाले डॉ. रमन सिंह भी मुख्यमंत्री की गद्दी तक पहुंचे और 2003 से 2018 के मध्य 15 साल तक छत्तीसगढ़ के सीएम रहे। अब पांच साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल भी इस सीट से चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

आमने/सामने

लखमा बने बलि का बकरा : साय

बस्तर लोकसभा सीट से कवासी लखमा को प्रत्याशी बनाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तंज कसते हुए कहा, लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे। कांग्रेसी नेता चुनाव के लिए मिला हुआ टिकट वापस कर रहे हैं। बस्तर में कोई नहीं मिला तो कवासी लखमा को बलि का बकरा बना रहे हैं।

बस्तर की जनता मेरे लिए भगवान : लखमा

बस्तर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने कहा, बस्तर की जनता मतदाता नहीं, मेरे लिए भगवान है। बस्तर लोकसभा में कवासी लखमा नहीं, बल्कि हर मतदाता उनके लिए लड़ रहा है। हम पूरे दम-खम से चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे।

मोदी से मुलायम तक नेताओं के बयानों की हुई देशभर में चर्चा

बयान... जिनसे किसी को मिली सत्ता, तो कोई गंवा बैठा प्रतिष्ठा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव अपने पूरे रंग में आ चुका है। पिछले चुनाव के वक्त नेताओं के बयान और भाषणों पर पहले भी खूब चर्चाएं हुईं। मुरादाबाद की धरती से भी खूब बयान और भाषण दिए गए हैं, जिसकी चर्चा देश भर में हुई। पीएम मोदी ने मुरादाबाद में एक जनसभा के दौरान कहा कि मैं फकीर हूं झोला उठाकर चला जाऊंगा। इतना ही नहीं मुलायम सिंह ने लड़के हैं गलती हो जाती है वाला बयान भी मुरादाबाद में ही दिया था। कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में भाजपा से सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर आपित्तजनक टिप्पणी की थी। जिसे लेकर प्रदेश भर में खूब हंगामा और बवाल हुआ था। अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद जयाप्रदा पर सपा सासंद डॉ. एसटी हसन ने अभद्र टिप्पणी कर दी थी।

हम तो फकीर हैं झोला उठाकर चल देंगे : मुरादाबाद। आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी का कड़ा फैसला करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिसंबर 2016 को मुरादाबाद में रैली को संबोधित करने पहुंचे थे। कुछ वक्त बाद यूपी के विधानसभा चुनाव होने थे। उन्होंने मंच से से कहा था हमेशा राशन की लाइनों में लगे हो, जगह - जगह कतारें लगाई हैं, बस एक आखिरी बार इन कतारों को और झेल लो। इसके बाद देश बदल जाएगा। इसी बीच उन्होंने कहा था कि मैं तो फकीर हूं, झोला उठाकर चल दूंगा। पीएम नरेंद्र मोदी यह बयान खूब चर्चित हुआ था। खासकर पाकिस्तानी मीडिया में मोदी के इस डायलॉग को खूब दिखाया गया था।

मुलायम सिंह ने कहा था, लड़के हैं गलती हो जाती है

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने 10 अप्रैल 2014 को मुरादाबाद में एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, लड़कियां पहले दोस्ती करती हैं। लड़के-लड़की में मतभेद हो जाता है। मतभेद होने के बाद उसे दुष्कर्म का नाम दे देती हैं। लड़कों से गलतियां हो जाती हैं। क्या दुष्कर्म के केस में फांसी दी जाएगी। उनके इस बयान का देश भर में खूब विरोध हुआ था।

रीता बहुगुणा जोशी हुई थी गिरफ्तार : कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी 15 जुलाई 2009 में मुरादाबाद आई थीं। नया मुरादाबाद स्थित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर रेप की घटनाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उस वक्त मायावती प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं। बयान मीडिया की सुर्खियां बनीं तो पुलिस हरकत में आई और रीता बहुगुणा जोशी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया था। मायावती समर्थकों ने रीता का घर जला डाला था।

जयाप्रदा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी

सपा नेता आजम खां ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर में भाजपा की प्रत्याशी जयाप्रदा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। चुनाव के बाद मुरादाबाद में मुस्लिम डिग्री कॉलेज में सपा की ओर से एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। यहां आजम ने जया पर तंज कसते हुए कहा था कि जिसे मैं रामपुर लेकर आया था, उसकी असलियत जानने में आप लोगों को 17 साल लगे। मैं 17 दिनों में ही जान गया था कि इनके नीचे का जो अंडरवियर है वह ख़ाकी रंग का है।

कलक्टर-पलक्टर से मत डरियो

2019 में सपा और बसपा ने गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा था। रामपुर सीट सपा के खाते में आई थी और सपा ने आजम खां को प्रत्याशी बनाया था। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां ने एक सभा में लोगों से कहा था कि सब डटे रहो, कलक्टर-पलेक्टर से मत डरियो, ये हैं तनखैया.. हम इनसे नहीं डरते हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

हैदराबाद के लिए कुछ नहीं किया ओवैसी ने : लता

हैदराबाद। तेलंगाना की चर्चित हैदराबाद सीट पर भाजपा ने इस बार कोम्पेला माधवी लता को उतारा है। फिलहाल, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इस सीट पर सांसद हैं। हैदराबाद सीट पर सन 1884 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से माधवी लता लगातार ओवैसी पर निशाना साध रही हैं। उन्होंने एक बार फिर दावा किया की ओवैसी ने इस निर्वाचन क्षेत्र को केवल पीड़ा, भय और अन्याय दिया है, हैदराबाद के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया है। साथ ही यह भी दोहराया कि वह उनकी भव्य छवि से परेशान नहीं हैं। भाजपा की 49 वर्षीय युवा उम्मीदवार लता भरतनाट्यम डांसर और उद्यमी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों के लिए भी जानी जाती हैं। अब वह 13 मई को होने वाले आम चुनावों में ओवैसी से उनके गढ़ में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

चंदन तस्कर वीरप्पन की बेटी भी लोस चुनाव में ताल ठोक रहीं

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

कुख्यात चंदन तस्कर वीरप्पन की बेटी विद्या रानी तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगी। वह नाम तमिझार काची (एनटीसी) की तमिल राष्ट्रवादी पार्टी के टिकट पर कृष्णागिरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। पेशे से वकील, विद्या रानी जुलाई 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई थीं। यहां उन्हें तमिलनाडु बीजेपी युवा शाखा के उपाध्यक्ष का पद मिला था, लेकिन हाल ही में अभिनेता-निर्देशक सीमान के नेतृत्व वाले एनटीके में शामिल होने के लिए उन्होंने बीजेपी छोड़ दी थीं।

पेशे से हैं वकील चलाती हैं स्कूल

बच्चों का स्कूल चलाती हैं विद्या

पेशे से वकील विद्या रानी, कृष्णागिरि में बच्चों का एक स्कूल चलाती हैं और बेंगलुरु से उनका गहरा नाता है क्योंकि उन्होंने शहर में पांच साल का लॉ कोर्स किया था। यहां उनके कई दोस्त भी हैं। हालांकि वह अपने पिता वीरप्पन से केवल एक बार मिली है। विद्या रानी कहती हैं कि पिता वीरप्पन ने ही उनके जीवन को नई दिशा दी। वह कहती हैं कि जब वह तीसरी कक्षा में थीं तब तमिलनाडु-कर्नाटक सीमा पर गोपीनाथम में अपने दादा के घर पर अपने पिता से पहली और आखिरी बार मिलीं थीं।

पिता वीरप्पन को देती हैं कामयाबी का श्रेय

विद्या रानी कहती हैं कि मैंने पिता से मुलाकात में करीब 30 मिनट तक उनसे बात की और वह बातचीत अब भी मेरे दिमाग में ताजा है। उन्होंने मुझे पकड़कर डॉक्टरी की पढ़ाई करने और लोगों की सेवा करने के लिए कहा था। उन्होंने मुझे मेहनत करके नाम कमाने के लिए कहा था। आज मैं अपनी जिंदगी में जहां हूं वहां तक पहुंचाने में उनकी उन्हीं बातों ने अहम भूमिका निभाई है।

लोकसभा चुनाव

जदयू ने किया 16 उम्मीदवारों का ऐलान, दो सांसदों का टिकट काटा

एजेंसी ▸▸ पटना

जेडीयू ने बिहार के 16 लोकसभा सीटों से अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही पार्टी ने अपने दो मौजूदा सांसदों सीतामढ़ी से सांसद सुनील कुमार पिंटू और सिवान से सांसद कविता सिंह का टिकट काट दिया है।

रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने जिन 16 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की उसमें सीतामढ़ी से जेडीयू ने सुनील कुमार पिंटू का टिकट काटकर देवेश चंद्र ठाकुर पर भरोसा जताया है। देवेश चंद्र ठाकुर बिहार विधान परिषद के सभापति भी हैं। वहीं सिवान से वर्तमान सांसद कविता सिंह की जगह एक दिन पहले पार्टी ज्वाइन करने वाली विजय लक्ष्मी कुशवाहा को जेडीयू मैदान में उतार रही है।

लवली आनंद को मौका

इसके अलावा भी जेडीयू ने पार्टी में हाल में ही शामिल होने वाले कुछ लोगों पर दांव लगाया है। इसमें बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद भी शामिल हैं। आरजेडी छोड़कर जेडीयू का दामन थामने वाली लवली आनंद को पार्टी ने शिवहर से टिकट दिया है। यहां से वर्तमान में बीजेपी की रमा देवी सांसद हैं। इस तरह देखा जाए तो एनडीए उम्मीदवार के रूप में लवली आनंद को मौका मिलने से रमा देवी का भी टिकट कट चुका है।

बसपा की पहली लिस्ट जारी 16 में 7 मुस्लिम कैंडिडेट

लखनऊ। बसपा ने यूपी लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 16 प्रत्याशियों का नाम हैं। इसमें 7 प्रत्याशी मुस्लिम हैं।

लोकसभा सीट सहारनपुर से माजिद अली बसपा उम्मीदवार होंगे। मायावती ने कैराना से श्रीपाल राणा के साथ ही सहारनपुर से माजिद अली के नाम पर फाइनल मुहर लगा दी है। यहां माजिद अली कांग्रेस के इमरान मसूद को टक्कर देंगे। पार्टी नेतृत्व ने मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति को मैदान में उतारा है। वहीं बिजनौर से विजेंन्द्र सिंह, नगीना से सुरेंद्र पाल सिंह और मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी पर पर बसपा ने विश्वास जताया है। मुस्लिम बाहुल्य सीट रामपुर में बसपा ने नए चेहरे जीशान खां को प्रत्याशी घोषित किया है। रामपुर में प्रथम चरण में चुनाव है, जिसकी नामांकन प्रक्रिया जारी है।

पप्पू यादव का लालू-कांग्रेस को अल्टीमेटम

'पूर्णिया से चुनाव लड़ूंगा वरना कहीं से नहीं'

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार के 40 लोकसभा सीटों पर अभी तक कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीट बंटवारे का पेंच नहीं सुलझा है। इस बीच पूर्णिया के रुपौली से विधायक बीमा भारती ने जेडीयू से इस्तीफा देने के बाद लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ज्वाइन कर लिया है। बीमा भारती के आरजेडी में शामिल होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी उन्हें पूर्णिया सीट से लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बना सकती है।

आरजेडी पर भड़के

पूर्णिया पर अपने ट्वीट को लेकर कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा, 'मैं एक परिवार के विश्वास, आशीर्वाद और पार्टी की विचारधारा से प्रेरित हूं। ये सारी जिम्मेदारियां अब उस पार्टी के नेतृत्व की हैं। मैं कोसी में काम कर रहा हूं।' पिछले 2 सालों से सीमांचल और 5 सालों से पूरे बिहार की सेवा में लगा हुआ हूं। पप्पू यादव ने कहा, 'लालू यादव चाहते थे कि मैं मधेपुरा से चुनाव लड़ूं लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया था, मैंने उनसे कहा था कि मैं पूर्णिया नहीं छोड़ सकता।

राजनांदगांव के सांसद और लोकसभा प्रत्याशी संतोष पांडेय से डा. हिमांशु द्विवेदी की बातचीत

भूपेश पाटन से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें, दावा है कि उनका आखिरी चुनाव होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजनांदगांव के सांसद और लोकसभा के प्रत्याशी संतोष पांडेय ने कहा, मैं भूपेश बघेल को चुनौती देता हूं। वे पाटन से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें। राजनांदगांव के लोकसभा का चुनाव उनका अंतिम चुनाव होने वाला है। राजनांदगांव की जनता कभी स्वीकार करने वाली नहीं है। यहां से उनको बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। जहां पर भाजपा का सवाल है तो भाजपा में उनके जैसे व्यक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनावी संवाद के प्रमुख अंश।

▸▸ कितने परेशान और हैरान हैं, उम्मीदवारी से?

▸▸ ▸▸ कोई हैरानी नहीं है, कोई आश्चर्य नहीं, कोई परेशानी नहीं है। भूपेश बघेल हों या कोई भी हो, कोई फर्क नहीं पड़ता है। आपने देखा होगा कवर्धा में विधानसभा चुनाव में हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहे और प्रदेश संगठन के महामंत्री विजय शर्मा ने किस तरह से मो. अकबर हो हराने का काम किया। वापस मौदहापारा जाना पड़ा। ईश्वर साहू ने रवींद्र चौबे को निपटा दिया। कांग्रेस में स्थिति यह है कि कांग्रेस के नेता तो चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं। धक्का मारकर खड़ा किया गया है इसलिए आ गए हैं, ये लोग क्या कर सकते हैं। भूपेश बघेल क्या हैं, कांग्रेस का कोई भी राष्ट्रीय नेता आकर यहां से चुनाव लड़ लें, कोई फर्क नहीं पड़ता है।

▸▸ प्रदेश 9 सांसदों में से सात के टिकट कट गए, लेकिन आपको टिकट मिल गया आखिर ये करिश्मा कैसे हो गया?

▸▸ ▸▸ मैंने जो भी काम किया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप किया है। चाहे रेलवे, सड़क, स्वास्थ्य में हो। इसी के साथ नीचे तक प्रचार-प्रसार सब किया गया। जनता का जो मुझे आशीर्वाद मिला है। केंद्रीय और प्रदेश के संगठन ने मुझे फिर से प्रत्याशी बनाया है। मैं कांग्रेस के लिए भी आभारी हूं कि उन्होंने भूपेश बघेल को राजनांदगांव से मौका दिया है। राजनांदगांव की जनता के लिए यह शानदार अवसर है। अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे।

▸▸ संतोष पांडेय जो भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, क्या मान कर चलें, हम किससे बात कर रहे हैं, क्या भावी मुख्यमंत्री से?

00 मैं अपनी औकात जानता हूं। जिस गांव जाना नहीं है उसकी मैं अपेक्षा भी नहीं करता हूं। किसी भी प्रकार की मन में कोई आकांक्षा नहीं है।

▸▸ लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल के चुनाव लड़ने से कितना खबरा रहे हैं?

▸▸ ▸▸ कोई लोकप्रिय नहीं कुख्यात मुख्यमंत्री रहे हैं। कुख्यात किसके लिए प्रयोग होता है, जो लूटता है। छत्तीसगढ़ को लूट लिया है उन्होंने। भ्रष्टाचार में कई अधिकारी जेल में हैं। शराब घोटाले में रायपुर के महापौर के भाई को जेल जाना पड़ा, कोई जवाब नहीं है इनके पास। भगवान शंकर महादेव को भी इन्होंने नहीं छोड़ा। देश भर में महादेव एप मामले की गूंज हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता को तो भूपेश बघेल ने तार-तार कर दिया है। छत्तीसगढ़ की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया है। भूपेश बघेल के लिए यह आखिर चुनाव होगा, मैं चुनौती देता हूं, भूपेश बघेल पाटन से इस्तीफा देकर आ जाएं मैदान में अगर उनमें दम है तो।

▸▸ भूपेश बघेल चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे तो प्रत्याशी कैसे बन गए, क्या संतोष पांडेय ने कोई खेल किया कांग्रेस के अंदर?

▸▸ ▸▸ भूपेश बघेल हो या ताम्रध्वज साहू या फिर विकास उपाध्याय कोई भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं, इनको जबरदस्ती हाई कमान ने प्रत्याशी बना दिया है। इसमें संतोष पांडेय का तो नहीं है, कई मंत्री विधानसभा चुनाव में निपट गए अब उनका जरूर इसमें कुछ हो सकता है।

▸▸ कांग्रेसी आपके लिए कितनी मेहनत कर रहे हैं, ये क्या खेल है?

▸▸ ▸▸ ये रण क्षेत्र है जो भी हमारे पाले में आने को तैयार हैं उनका स्वागत है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी कहा है जो आना चाहते हैं उनका भी स्वागत है, तो समर्थन करना चाहते हैं उनका भी स्वागत है।

▸▸ भूपेश बघेल के लिए भी भाजपा के द्वार खोल दिए हैं क्या?

▸▸ ▸▸ सनातन धर्म के विरोध में काम करने वालों और छत्तीसगढ़ की अस्मिता से खिलवाड़ करने वालों का स्वागत नहीं है। इनको छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरा देश जानता है कि इन्होंने क्या किया है। भूपेश बघेल के लिए भाजपा में कोई स्थान नहीं है।

▸▸ मो. अकबर, नवाज खान चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रहे हैं, ये कमाल कैसे हुआ है?

▸▸ ▸▸ इनको चुनाव प्रचार में घूमना चाहिए, ये क्यों नजर नहीं आ रहे हैं कांग्रेस जाने। मैं पूछना चाहता हूं भूपेश बघेल से कि क्यों नहीं घुमा रहे हैं इनको अपने साथ। ये ही तो बड़े नेता थे विधानसभा के चुनाव में।

बिलासपुर

सोमवार, 25 मार्च 2024

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा

वर्ष : 24, अंक : 03

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 37.2

न्यून. 23.8

हरिभूमि

होली की शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

एकला नहीं...एकता चलो रे...भूपेश, महंत और टीएस एक साथ करेंगे दौरा

हो. स. ▶▶| रायपुर

कहते हैं कि बुरे वक्त में परिवार के लोग एकजुट हो जाते हैं भले ही उनके बीच कितने भी मतभेद हों। ऐसा ही कुछ कांग्रेस में हो रहा है। भाजपा के सत्ता में वापस लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव दबाव में हैं। तीनों ही अपने राजनीतिक जीवन की कठिन राह से गुजर रहे हैं। भूपेश के सामने राजनांदगांव सीट जीतने के साथ भाजपा सरकार के कानूनी फंदे से निपटने की चुनौती है। श्री महंत के सामने कोरबा सीट बचाने की। वहीं श्री सिंहदेव राजनीतिक जीवन को पटरी पर लाने की जद्दोजहद में जुटे हैं।

सूत्रों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव एक साथ दौरा करेंगे। लोकसभा चुनाव में दौरा करने के लिए एक हेलिकाप्टर चंदा करके किराए पर लिया जाएगा। हेलिकाप्टर के ▶▶|शेष पेज 6 पर

तीनों नेता करेंगे चंदा, हेलिकाप्टर किराए पर लेंगे, हर लोकसभा में पहुंचेंगे

फंड की व्यवस्था पर चंदा का सहारा

तीनों नेताओं को प्रदेश प्रभारी ने मना तो लिया, लेकिन एआईसीसी से सहयोग की अपेक्षा स्वयं के साधनों से अंजाम देने का निर्देश दिया। तीनों नेताओं ने तय किया कि दौरे के लिए हेलिकाप्टर किराए पर लेंगे। किराया चुकाने के लिए प्रदेश भर से चंदा लेकर राशि का इंतजाम करेंगे। बताया जाता है कि तीनों पदाधिकारी अब एक साथ तीन चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाएंगे।

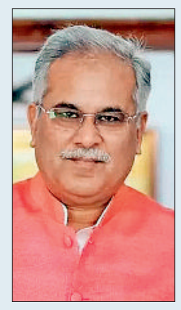

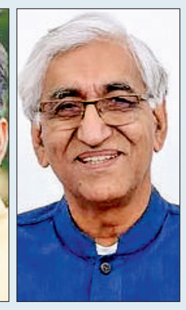

भूपेश-टीएस फूंकेंगे जान

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ाने का निर्णय लिए जाने के बाद कई पदाधिकारी चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था। टीएस सिंहदेव ने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के अपने निर्णय से हाइकमान को अवगत करा दिया है। ऐसे में कांग्रेस के प्रदाधिकारी मान रहे हैं कि चुनाव हारने के बाद टीएस प्रदेश के नेताओं से दूरी बना लिया है। पिछले चुनाव में जय-वीरू के नाम से चर्चित जोड़ी ने ही विधानसभा चुनाव में जीत दिलाई थी। अब लोकसभा में कांग्रेस भाजपा को हराने फिर उन्ही के सहारे पार्टी में जान फूंकने की तैयारी कर रही है।

प्रत्याशी चयन में भी तीनों से सलाह

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने कई विधायकों की टिकट काट दी चुनाव के समय काट दी थी। उनमें से कई लोगों ने असंतोष व्यक्त करते हुए संगठन के पदाधिकारियों पर आरोप लगाए। उनमें से कई को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। उनके क्षेत्र में कांग्रेस हार गई, उन स्थानों पर अब कांग्रेस को लगने लगा है कि लोकसभा चुनाव में वहां से जीतना मुश्किल है। ऐसे में वहां पर प्रत्याशी खोजने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसमें भी कांग्रेस के त्रिमूर्ति भूपेश-महंत और टीएस को आगे किया जा रहा है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री मोदी ने दी होली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं और कामना की स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा व नया उत्साह लेकर आए। देश में सोमवार को होली मनाई जाएगी, जबकि कुछ हिस्सों में मंगलवार को होली का त्योहार मनाया जाएगा।

बस खाई में गिरने से दो यात्रियों की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में रविवार को राज्य परिवहन की एक बस खाई में गिरने के साथ ही एक पेड़ से टकरा गई, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। अमरावती के पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद ने कहा कि यह दुर्घटना मेलघाट इलाके में दोपहर को हुई।

दिल्ली-एनसीआर में हुई हल्की बूंदाबांदी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव देखा गया। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई साथ ही तेज हवा भी चल रही। अचानक आए इस बादल से तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। मौसम विभाग ने कहा कि बादल पश्चिम से दिल्ली में प्रवेश कर रहे हैं।

येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे राघवेंद्र येदियुरप्पा मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चित्रदुर्ग में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ है। पूर्व सीएम के बेटे बीवाई राघवेंद्र शिवमोग्गा से मौजूदा सांसद है।

द्रमुक सांसद गणेशमूर्ति अस्पताल में भर्ती

इरोड। तमिलनाडु के इरोड से मौजूदा लोकसभा सांसद द्रमुक के गणेशमूर्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। इस बारे में पुलिस ने बताया कि आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे गणेशमूर्ति को बेचैनी महसूस हुई थी, जिसके बाद उन्हें एक एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

केंद्रीय गृहमंत्री की भी वार्ता पर नजर, बुच कमेटी की रिपोर्ट के पन्ने फिर खुले

सरकार-नक्सली वार्ता शुरू, सेतु की भूमिका में एनजीओ और पूर्व अफसर!

हो. स. ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ से बड़ी खबर है। सरकार और नक्सलियों के बीच वार्ता शुरू हो गई है। दोनों के बीच कुछ स्वयंसेवी संगठन और पूर्व अफसर सेतू की भूमिका निभा रहे हैं। नक्सल पोलित ब्यूरो के सदस्यों की तरफ से बस्तर में सक्रिय कुछ संगठन मध्यस्थ बने हुए हैं। प्रारंभिक तौर पर दोनों तरफ से ऐसे कदम उठाने पर सहमति बनी है जिसके बाद दोनों का भरोसा तैयार हो। इनमें बड़े आपरेशन से परहेज करने और मुखबिरी के नाम पर आदिवासियों की हत्या न करने का फैसला शामिल है।

गृहमंत्री ने की थी पहल

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों को बातचीत का ऑफर दिया था, जिस पर नक्सलियों का भी जवाब आ गया है। नक्सली सरकार से बातचीत के लिए तैयार हैं, हालांकि उन्होंने कुछ शर्तें सरकार के सामने रखी हैं। नक्सलियों ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि अब तक बातचीत के जितने भी दावे रहे हैं, वह सब धोखे वाले रहे हैं, लेकिन हम बातचीत के लिए तैयार हैं, पर बातचीत की शर्तें होंगी।

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी खबर

वार्ता के लिए होंगी ये शर्तें

बताया गया है, नक्सलियों ने वार्ता के लिए सहमति देते हुए अपनी कुछ शर्तें भी रखीं है। इनमें पहली शर्त वार्ता के दौरान पुलिस की ओर से किसी भी तरह से गोलीबारी नहीं की जाएगी। इसी तरह नक्सली भी जनअदालत लगाकर किसी व्यक्ति को मुखबिर बताकर हत्याएं नहीं करेंगे। पुलिस के लिए नक्सलियों ने शर्त रखी है कि वार्ता शुरू होते ही पुलिस द्वारा नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान को तत्काल प्रभाव से बंद करना होगा। दोनों पक्षों को साथ लाकर वार्ता कराने वाले एनजीओ ने भी शर्त रखी है कि पुलिस द्वारा नक्सल हिंसा के नाम पर बंदी बनाए गए आदिवासियों को रिहा किया जाए।

शाह की पैनी नजर

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार नक्सलियों के साथ राज्य सरकार की वार्ता के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नजर बनाए हुए हैं। दरअसल श्री शाह ने घोषणा की है कि नक्सली उन्मूलन किया जाएगा। चाहे इसके लिए बातचीत का रास्ता अपनाना पड़े या कोई बड़ी कार्रवाई करनी पड़े। दूसरी ओर राज्य सरकार बुच कमेटी की रिपोर्ट के पन्ने पलटने में लगी है। मप्र की पूर्व मुख्य सचिव रहीं निर्मला बुच की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ने नक्सल मामलों में जेल में बंद आदिवासियों से संबंधित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की थी। इस कमेटी की सिफारिश के मुताबिक सैकड़ों आदिवासियों को जेलों से रिहा भी किया गया था।

पति-पत्नी घायल

चार्जिंग में लगा मोबाइल फटा, चार बच्चों की मौत

एजेंसी ▶▶| मेरठ

मेरठ में मोदीपुरम की जनता कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे मजदूर के घर में शॉर्ट सर्किट से मोबाइल में धमाका हो गया और कमरे में आग लग गई। कमरे में मौजूद चार बच्चे बुरी तरह झुलस गए। बच्चों को बचाने पहुंचे दंपती भी झुलस गए। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और आग पर काबू पाया। पुलिस ने सभी को पहले निजी अस्पताल और बाद में मेडिकल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान चारों बच्चों की मौत हो गई है। अभी दंपती की हालत गंभीर बनी हुई है।

बता दें कि 24 घंटे में चारों बच्चे दुनिया को छोड़कर चले गए। बच्चों की मां को गंभीर हालत में दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। वह मेडिकल में भर्ती है। मुजफ्फरनगर जिले के सिखेड़ा निवासी जॉनी (41) ▶▶|शेष पेज 6 पर

शॉर्ट सर्किट बनी हादसे की वजह

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। बच्चे और दंपती बुरी तरह से झुलस गए थे। इनमें चारों बच्चों की मौत हो गई है। बताया गया कि मृतक बच्चों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। डीएम दीपक मीणा ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट से पूरे प्रकरण की रिपोर्ट मांगी है। शासन को आर्थिक सहायता के लिए रिपोर्ट भेजी गई।

माता-पिता का चल रहा उपचार

थाना प्रभारी मन्नेश कुमार का कहना है कि उपचार के दौरान सारिका और कल्लू ने भी दम तोड़ दिया है। परिजन पहले पोस्टमार्टम के लिए मना कर रहे थे लेकिन अब पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पिता जॉनी का मेडिकल में उपचार चल रहा है, जबकि मां बबीता को गंभीर हालत में दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी भी हालत नाजुक बनी हुई है।

चाय रोटी खाने के बाद 3 साल की लड़की की मौत, छह लोग बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम गीधोरी में एक ही परिवार 7 सदस्य फूड पाईजनिग का शिकार हो गए है ।चाय नाश्ता करने के बाद सभी की हालत बिगड़ने लगी, आनन फानन में उन्हे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जन्हा उपचार के दौरान 3 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। वही अन्य सदस्यों की हालत सामान्य बनी हुई है।

ग्राम गिधोरी मे एक ही परिवार के 7 सदस्य फूड पॉइजनिंग के शिकार

होलिका दहन के दिन जिले के गिधौरी गांव में 3 साल की मासूम बच्ची अमृता की मौत हो गई। जबकि एक ही परिवार के 6 अन्य लोगों की तबीयत खराब हो गई। खाद्य पदार्थ खाने का सेवन करने को इसकी वजह बताई जा रही। चाय और रोटी खाने के बाद अचानक सभी सदस्यों की हालत बिगड़ने लगी, किसी को उल्टी होने लगी तो किसी को चक्कर आने लगा। ग्रामीणों को जैसे ही इसकी जानकारी हुई उन्होंने तत्काल 108 में इसकी सूचना दी सूचना मिलने पर दयाल 108 की टीम मौके पर पहुंची । जिसके बाद 108 की मदद से सभी स को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल ▶▶|शेष पेज 6 पर

ज्योत्सना महंत पहुंची अस्पताल

ग्राम गिधौरी निवासी एक ही परिवार के 7 लोगों के फूड पैजनीग का शिकार होने व अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिलने पर कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती ज्योत्शना चरणदास महंत ने जिला अस्पताल में सभी प्रभावितों का हाल जाना। मृतिका अमृता के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने बेहतर उपचार प्रदान करने की बात कही।

भोजशाला सर्वे के बीच मुस्लिम पक्ष की आपत्ति

धार। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मप्र के धार जिले में विवादास्पद भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण रविवार को तीसरे दिन भी जारी रखा। कमाल मौला मस्जिद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने शनिवार को ई-मेल के माध्यम से एएसआई को अपनी कुछ आपत्तियां सौंपी हैं। वह मामले के एक पक्षकार भी हैं। उन्होंने कहा, हमारी आपत्ति यह है कि एएसआई को 2003 के बाद भोजशाला के अंदर रखी गई वस्तुओं को सर्वेक्षण में शामिल नहीं करना चाहिए। मैंने अपनी ▶▶|शेष पेज 6 पर

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है होली: साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुर

टिकैतगंज स्थित करमटोली के सरना निवास में आयोजित होली मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुवे।मुख्यमंत्री साय ने यहां कार्यकर्ताओं को होली के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुवे राज्य के विकास सुख शांति और समृद्धि का कामना किया।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रंग गुलाल उड़ा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों संग होली खेला,वहीं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ होली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

स्व. जूदेव को किया याद

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्व.दिलीप सिंह जूदेव को स्मरण किया और कहा कि बुराई में अच्छाई की जीत का प्रतीक होली पर्व है। इस पर्व के संबंध में विस्तार से बताते हुए भक्त प्रह्लाद और राजा हिरण्य कश्यप के इतिहास पर भी मुख्यमंत्री ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

भाजपा परिवार का आभारी: राठिया

लोकसभा प्रत्यासी राधेश्याम राठिया ने कहा कि इस मंच पर सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ होली का पर्व मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इसका वह भाजपा परिवार का आभारी है,मुख्यमंत्री सहित सभी बुजुर्गों और वरिष्ठों का आशीर्वाद आज इस मौके पर मिल रहा है।

दिया भाईचारे का संदेश: भगत

जशपुर विधायक रायमुनी भगत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि होली मिलन समारोह कार्यक्रम में आए सभी का स्वागत है,आज इस कार्यक्रम में शामिल हो सभी ने भाई चारे और अपनेपन का संदेश दिया जो सराहनीय है।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित है जिनका सभी जिलेवासियों की तरफ से वह स्वागत करती हैं।होली के पर्व को सभी एकता और भाई चारे के साथ मनाए इसका भी अपील जशपुर विधायक ने मंच से किया।

यूपी के एक गांव में बारात निकालने की अनूठी परंपरा

होली के दूल्हे की बारात, सारा गांव बनता है बाराती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के एक गांव में होली के दूल्हे की बारात निकालने की परंपरा सैकड़ों सालों से कायम है। बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले में जरिया गांव में होली के दूल्हे की बारात निकालने की परम्परा सैकड़ों सालों से चली आ रही है। गांव में एक शख्स को घोड़े पर बैठाकर उसकी बारात की पहले निकासी होती है फिर पूरे गांव में बारात धूमधाम से निकाली जाती है। पूरे गांव के लोग बाराती भी बनते है।

गांव के पूर्व प्रधान रामस्वरूप ने बताया कि होलिका दहन के दूसरे दिन होली केदूल्हे की बारात गांव में निकाली जाती है। यह परंपरा बहुत पुरानी है जिसमें पूरे गांव के लोग शामिल होते हैं।

होली के दूल्हे की बारात निकालने की परंपरा भी बड़ी ही अनोखी है, जिसमें गांव के ही एक व्यक्ति दूल्हा बनाकर उसे घोड़े पर बैठाया जाता है। फिर उसकी निकासी होती है। होली का दूल्हा बैण्डबाजे के साथ गांव के हर घर-घर जाता है जहां महिलाएं दूल्हे की टीका कर आरती करती है। उसे होली की मिठाई खिलाकर विदा किया जाता है।

बारात निकलने से पूर्व दूल्हा मंदिरों में टेकता है माथा

गांव के पूर्व सरपंच ने बताया कि होली के दूल्हे की बारात निकालने से पूर्व दूल्हा राजा गाजेबाजे के साथ गांव के सभी मंदिर जाता है, जहां वह देवी देवताओं की पूजा करने के बाद फिर बारात लेकर गांव में घूमता है। बताया कि होली के दूल्हे की बारात निकालने के बाद ही गांव में होली की मस्ती शुरू होती है। बताया कि होली के दूल्हे की बारात के पीछे होली खेलने वाले भी जमकर डांस करते है। बारात में शामिल घोड़े भी ढोल नगारों की धुन में थिरकते है। दूल्हे की बारात का समापन होते ही रंग और गुलाल का दौर चलता है।

हिरणाकश्यप वध के साथ होता है लीलाओं का मंचन

पूर्व सरपंच रामस्वरूप ने बताया कि सैकड़ों साल पुरानी परम्परा में इसी गांव में होली के दूल्हे की बारात निकालकर गांव के लोग धमाल करते है। बाद में हिरणाकश्यप वध की लीलाओं का मंचन होता है। बताया कि गांव में अन्य तमाम लीलाओं का भी मंचन होगा जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बहुत लोग आते है। पूर्व सरपंच का कहना है कि जरिया ही ऐसा गांव है जहां सामूहिक रूप से गांव के सभी लोग एक जगह एकत्र होकर होली का त्योहार मनाते है। सुरक्षा के लिए युवकों की टोलियां मुस्तैद रहती है।

24- MAR- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 3/24/2024 7:34 PM Page 1

चिंतन

होली के समरसता संदेश से सीखे देश की राजनीति

इस बार महापर्व होली इस समय है, जब देश भी लोकतंत्र का महापर्व मना रहा है। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजा हुआ है, चुनाव प्रक्रिया जारी है, यूं तो इस बार लंबी प्रक्रिया है, लेकिन देश के दलों को, देश की राजनीति को और देश के नेताओं को रंगोत्सव होली के सदभाव, सौहार्द व भाईचारा संदेश पर अमल करने की सबसे अधिक जरूरत है। होली सदभाव व भाईचारे का त्योहार है, सामाजिक प्रेम, पारिवारिक प्रेम की अभिव्यक्ति का त्योहार है। हाल के दशक में भारतीय राजनीति में कटुता, वैमनष्यता और मनभेद जैसी बुराइयां बढ़ती गई है। न संसद में स्वस्थ बहस होती है, न विरोध की सीमा रही है, न नेताओं की भाषा की मर्यादा रही है, न राजनीतिज्ञों के बीच सदभाव व प्रेम रह गए हैं, सभी दल एक दूसरे के प्रति वैचारिक मतभेद के बजाय मनभेद पाले रहते हैं, अपने भाषणों में नेता अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं। देश में राजनीतिक माहौल इतने खराब हो गए हैं कि इससे देश के सामाजिक माहौल बिगड़ने लगे हैं। राजनीतिक वैमनष्यता के चलते देश में सामाजिक असहिष्णुता बढ़ती गई है। देश में पहले से ही सामाजिक विसंगतियां हैं, जाति-उपजाति व धार्मिक खांचे में सामाज में विभाजन है, ऐसे में अगर राजनीतिक विभाजन भी बढ़ता जाएगा तो राष्ट्र की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता आदि खतरे में पड़ सकते हैं। होली जैसे त्योहार सभी नागरिकों को आपसी मतभेद मिटाकर प्रेम से जीने के सामाजिक संदेश देते हैं। संयोग की बात है कि अभी रमजान का पाक महीना भी चल रहा है, इस त्योहार का संदेश भी सामाजिक भाईचारा बढ़ाने का है। रमजान की समाप्ति पर देश में ईद मनाई जाएगी, उस दौरान भी देश में लोकसभा चुनाव जारी रहेगा। ऐसे में देश के नेताओं को होली व ईद से सामाजिक सौहार्द व भाईचारा सीखने की जरूरत है। अपनी संकुचित राजनीति के लिए अगर कोई नेता, या दल सामाजिक व धार्मिक विभाजन को बढ़ावा देता है, तो आवाम को ऐसे नेता, ऐसे दल का बहिष्कार करना चाहिए। लोकतंत्र के असली सूत्रधार नागरिक हैं, इसलिए नागरिकों में राष्ट्रीय मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति चेतना होनी चाहिए। नागरिकों में यह समझ होनी चाहिए कि नेता व दल अगर गलत बोल रहे हैं, गलत कर रहे हैं, तो ऐसों को किनारा करना जरूरी है। नागरिक अपने क्षेत्र, परिवार, समाज, देश आदि के प्रति जितना अधिक सचेत होंगे, गलत लोग लोकतांत्रिक सिस्टम से उतने बाहर होंगे। इसलिए होली का समाज को जोड़कर रखने का संदेश देश की राजनीतिक, दलों, नेताओं व नागरिकों, सबके लिए अनुकरणीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को रंगों के त्योहार होली की शुभकामनाएं दी हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि स्नेह और सद्भाव के रंगों से सजा यह पारंपरिक पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह लेकर आए। पीएम के संदेश व्यापक अर्थ में है, इस अर्थ के मर्म को सरकार को भी समझना चाहिए, सत्ता पक्ष को भी समझना चाहिए, विपक्ष को भी समझना चाहिए, देश की राजनीति को भी समझना चाहिए और सभी स्वायत्त निकायों को भी समझना चाहिए। आज देश में राजनीतिक सदभाव, राजनीतिक भाईचारा, राजनीतिक समरसता, स्वस्थ राजनीति की अधिक जरूरत है। होली के बहाने देश की राजनीति के रंग को सौहार्दपूर्ण बनाने की जरूरत है और सामाजिक व सांस्कृतिक समरसता बढ़ाने की आवश्यकता है।

होली के बहाने फूहड़ता न हो

होली पर्व
डॉ. विनोद कुमार यादव

होली पर्व का सीधा संबंध मनुष्य-जीवन की जीवंतता से है। होली एकमात्र ऐसा महोत्सव है, जिसमें परंपरागत रीति-रिवाज, पौराणिक मान्यताएं, फाग की मस्ती और होरी-गायन सब रंग मौजूद हैं। दुनिया के तमाम मुल्कों में जितने पर्व मनाए जाते हैं, उनमें होली जैसा निराला उत्सव ढूंढने से भी नहीं मिलता। ब्रजमंडल के बरसाना व नंदगांव को होली-सेलिब्रेशन का कुंभ माना जाता है। गिले-शिकवे त्यागकर निश्छल अपनापन और मैत्री को विस्तार देने वाला त्योहार और दूसरा नहीं है। हमें मिलकर गंभीरता से सोचना चाहिए कि होली के सुअवसर पर किसी न किसी बहाने फूहड़ता और अश्लीलता फैलाने वालों पर लगाम कैसे कसी जाए।

होली पर्व का सीधा संबंध मनुष्य-जीवन की जीवंतता से है। असलियत में होली के सेलिब्रेशन में इतनी समग्रता मौजूद है कि इसके रंगों में तमाम तरह के भेदभाव, पुरानी कटुता, वर्जनाएं व पूर्वाग्रह घुलकर मस्ती भरे मैत्री-अनुराग में तब्दील हो जाते हैं। होली के रंग शरीर के अलावा आत्मा को भी भिगोते हैं। होली एकमात्र ऐसा महोत्सव है, जिसमें परंपरागत रीति-रिवाज, पौराणिक मान्यताएं, फाग की मस्ती और होरी-गायन सब रंग मौजूद हैं। दुनिया के तमाम मुल्कों में जितने पर्व मनाए जाते हैं, उनमें होली जैसा निराला उत्सव ढूंढने से भी नहीं मिलता। दरअसल, राग-रंग, प्रेम और सौहार्द का यह पर्व वसंत ऋतु का संदेशवाहक भी है। वसंत ऋतु के फागुन मास में जब पूरा प्राकृतिक परिवेश नए सृजन से सज धजकर, रंग-बिरंगे फूलों की छटा बिखेरता हुआ मदमासी बयार से स्त्री-पुरुषों के चित्त को स्पर्श करता है तो यह एहसास होने लगता है कि होली के उत्सव का आगाज हो चुका है।

गौरतलब है कि ब्रजमंडल के बरसाना व नंदगांव को होली-सेलिब्रेशन का कुंभ माना जाता है। असल में कृष्ण का व्यक्तित्व बहुआयामी है। उनका पूरा जीवन संघर्षों से भरा पड़ा है, इसके बावजूद भी वह जिंदगी के हरेक पड़ाव का पूरा लुफ्त उठाते हैं, और पूरे फागुन महीने तक नंदगाव से बरसाना राधा व उसकी सखियों से हास-परिहास करने, रास-रंग खेलने व फागुनी मस्ती करने आते हैं। आज भी नंदगांव के पुरुष हुरियारे बनकर कृष्ण के प्रतिनिधि के तौर पर बरसाने की महिलाओं से पानी की बाल्टी में घुली हुई पीली मिट्टी से व लट्ठमार होली खेलने आते हैं, और तमाम तरह के जातिगत व लिंग आधारित भेदभावों को दरकिनार करते हुए होली के रस-रंग में डूबे रहते हैं, और खुशी-खुशी ब्रजनारियों की लाठियों के प्रहारों को सहते हुए यह लोकगीत गाते हैं- 'फाग खेलने बरसाने आए नटवर नंदकिशोर। छाय रही छवि घटा रंगीली, ढोल-मृदंग बजाए हैं बंशी की घनघोर। बरसाने की लट्ठमार होली का आयोजन एक तरह से पुरुष-प्रधान समाज में पुरुषों के वर्चस्व को तोड़ते हुए समाज में महिलाओं की मजबूत स्थिति का परिचायक है। दरअसल, कृष्ण पहले समाज-सुधारक हैं, जो इस उत्सव के आयोजन के बहाने नारी जाति को उन सामाजिक बंधनों से मुक्ति दिलाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं, जिनकी वजह से नारीशक्ति अबला बनकर बेचारगी की जिंदगी बसर कर रही थी। कृष्ण ऐसे प्रखर मनोचिकित्सक भी हैं, जो यह भली भांति समझते हैं यदि स्त्री-पुरुषों के अवचेतन में वर्षभर के दौरान संग्रहीत होने वाले कामजनित भावों को विरेचन का पर्याप्त अवसर न मिले तो समाज में कदाचार फैलता है, लोगों के पथभ्रष्ट होने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए ब्रजमंडल की महिलाओं और पुरुषों ने फागुनी मस्ती में तमाम वर्जनाओं को दरकिनार कर, स्वच्छंद होकर 'गालियों' को भी इस पर्व की परंपरा से जोड़ा है। कृष्ण गोपियों के साथ उधम मचाकर उन्हें गालियां देने के लिए विवश करते हैं, गोपियां गीत गाती हुई कहती हैं-'मत मार श्याम पिचकारी, अब देऊंगी तोय गारी'। होली की ऐतिहासिकता यह दर्शाती है कि इसकी मदहोशी के रंगों

से सिर्फ वही तरबतर होता है जिसने खोखली धर्मांधता और अतिवादी सोच को तिलांजलि दे दी है। जीवन के रंग और जीने के ढंग के लिए जरूरी है होली जैसी उत्सवधर्मिता। होली के इस निराले स्वरूप का भरपूर मजा मुगल बादशाहों ने भी लिया।

इतिहास में भी दर्ज है कि अकबर फागुन का महीना शुरू होते ही रंगोत्सव की तैयारी प्रारंभ करवा देता था। होली के दिन अकबर के दरबान सोने- चांदी के बड़े- बड़े कलशों को केसर और टेसू का रंग घोलकर भर देते, और दिनभर बादशाह महल के परिसर में अपनी बेगमों व सगे-संबंधियों से रंगों की होली खेलने में व्यस्त रहता, तमाम हिंदू-मुस्लिम मेहमानों का स्वागत उम्दा ठंडाई व मिठाइयों से किया जाता। जहांगीर भी अपने महल में होली के अवसर पर महफिल-ए-होली उत्सव का आयोजन करता था, इस मौके पर मुशायरा और कव्वालियों की महफिल सजती थी। इतना ही नहीं मुगल शासक शाहजहां होली को ईद-ए-गुलाबी यानी रंगों की बौछार के रूप में धूमधाम से मनाता था। मुगलकालीन इतिहास से ज्ञात होता है कि होली के अवसर पर लाल किले के पिछवाड़े यमुना नदी के किनारे होली के अवसर पर पारस्परिक सौहार्द के प्रतीक के रूप होली-मिलन मेले का आयोजन होता था। दरअसल, अतीत की परंपरागत व पुरातनपंथी मान्यताओं से हटकर, होली हर्षोल्लास, हास-परिहास व मदमस्त होकर नर्तन करता हुआ एक ऐसा सतरंगी उत्सव है जो मथुरा के ब्रजमंडल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व भारत के सुदूर पूर्वी प्रांतों-मणिपुर, असम, नगालैंड व मेघालय से लेकर कैरीबियन देशों-गुआना, सूरीनाम, ट्रिनिडाड व टोबैगो में बड़ी धूमधाम और मौज मस्ती के साथ मनाया जाता है।

गौरतलब है कि कैरिबियन देशों में सूरीनाम की 37 फीसदी आबादी और गुआना की 33 फीसदी आबादी हिंदू है। असलियत में होली का त्योहार अपने भीतर इतनी जीवंतता लिए हुए है कि इसकी उत्सवधर्मिता को किसी विशेष जाति, धर्म या राष्ट्र की परिधि में बांधना बेहद मुश्किल है। होली के दिन गुआना में नेशनल होलिडे रहता है, और उत्तर प्रदेश व बिहार की शैली में गुआना के शहरी क्षेत्र से लेकर गांवों तक यहां के निवासी अबीर-गुलाल, रंग- पिचकारी, नृत्य और संगीत के जरिये 'फगुआ' मनाते हैं। दरअसल, गुआना व सूरीनाम के प्रवासी हिंदुस्तानियों के वंशज 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूर के तौर पर उत्तर प्रदेश व बिहार से वहां जाकर बसे थे। ट्रिनिडाड व टोबैगो में भी होली का आयोजन भारतीय अंदाज में होता है। होली की मस्ती का आलम कैरिबियाई देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नेपाल व श्रीलंका में में लोग अबीर-गुलाल, व पिचकारी में रंग भरकर फाग खेलते हैं।

थाईलैंड के बौद्ध समाज में होली मनाने का ढंग बिल्कुल हिंदुस्तानी है, बस यहां की बौद्ध सोसायटी मंक होली पालि में एक अलग नाम 'सांग्क्रान' के रूप में पॉपुलर है। इस अवसर पर थाईलैंड के निवासी एक-दूसरे पर रंगों की बौछार करते हैं और मठों में जाकर भिक्षुओं को दान देते हैं। नेपाल की तराई में होली फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, नेपाल में होली मनाने का तरीका ठीक उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसा ही है, जिस तरह से भारत के इन प्रांतों में होली का आगाज फाल्गुन पूर्णिमा से आठ दिन पहले गांव के बीच में एक स्थान विशेष पर लकड़ी का डंडा गाड़कर होता है, जिसे स्थानीय भाषा में होली का डंडा कहा जाता है। वैसे ही नेपाल में एक तालाब के किनारे होली से आठ दिन पहले होली का डंडा गाड़ कर इस उत्सव की तैयारी शुरू हो जाती है। गिले-शिकवे त्यागकर निश्छल अपनापन और मैत्री को विस्तार देने वाला त्योहार और दूसरा नहीं है। हमें मिलकर गंभीरता से सोचना चाहिए कि होली के सुअवसर पर किसी न किसी बहाने फूहड़ता और अश्लीलता फैलाने वालों पर लगाम कैसे कसी जाए।

(लेखक सामाजिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

विशेष
डॉ. घनश्याम बादल

बचाने होंगे मर्यादा के रंग

अपनत्व और खुशी के रंगों से सराबोर करने की परम्परा का नाम है होली। सही मायनों में समझें तो होली केवल रंग बिखेरने या गुलाल लगा देने भर का त्यौहार नहीं वरन वैर भाव को धो डालने वाला जश्न है। ऐसा जश्न जो ऊंच-नीच, बड़े-छोटे, अपने-पराए के अंतर को मिटा देता है। यदि ऐसे हम होली मनाते हैं तो वह अंग्रजी का 'होली ' यानी पावन पर्व बन जाता वरना तो बस परंपरा निवर्हण मात्र है। यह कैसी होली! एक निगाह डालिए अपने चारों तरफ क्या सच में हम अनुराग और प्रेम की होली मना रहे हैं ? क्या किसी भी तरह से हम मिथकों में वर्णित प्रहलाद रूपी भक्ति व भलाई को जला देने के लिए अपने वरदान का दुरुपयोग करने वाली होलिका का दहन अपने मन से कर पा रहे हैं? क्या हम चाहते हैं कोई पड़ोसी या अजनबी हमारे घर होली पर आए? हमारी बहनों, भाभियों या बहू बेटियों के साथ रंग खेले? शायद नहीं। अब नहीं क्यों? इसका जवाब भी हम जानते ही हैं। अगर होली को सच में 'होली भाव' से मनाने की मानसिकता हम विकसित कर लें तो बहुत सी अनैतिकता की बीमारियां तो स्वयमेव ही जल जाएंगी। अब होली जैसे रंग, मस्ती और प्रेम के पर्व यूं ही नहीं बनाए गए थे। हमारी संस्कृति में पर्व हमें अपनों और प्रकृति के समीप लाने का मौका देते थे। एक समय था जब होली के पर्व से करीब सवा महीने पहले वसंत पंचमी को होली का उपला रख दिया जाता था। फिर गांव गलियों में मस्तों की टोलियां 'फगवा' 'कामण' या 'धमाल' गाते हुए घर-घर जाती और होली का ईंधन इकट्ठा करती थी। इसका भी एक सबब था सबका सहयोग लेना सबका योगदान पाना और इकट्ठे होकर मन के सारे पापों, गिले शिकवों को होली की आग में जला डालना होता था तब होली का मतलब। आज क्या है सोचिए। चलिए चालीस, पचास या साठ के दशक की होली की एक झलक की कल्पना करें। फगवा के गीतों के नाम पर कितनी गालियां बरसती थी तब पर कोई बुरा नहीं मानता था, क्योंकि तब ये गालियां प्रेम पगी होती थी। मन के साफ गंगाजल से नहा कर आती थी। उनमें खुन्नस या किसी के अपमान का भाव नहीं, अपनापन था। अलग प्रदेशों में अलग अलग ढंग से होली आधार की स्थापना की जाती है पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पांच उपले रख कर तो राजस्थान के जयपुर, सीकर, चुरु व झुंझुनूं सहित शेखावाटी में एक मोटा डंडा गाड़ कर प्रहलाद के रूप में होलिका का आधार रखा जाता है और फिर प्रतिदिन सवा महीने तक प्रतिदिन ईंधन जमा करके लोकगीत व नृत्य 'गींदड़' आयोजित किए जाते हैं डांडिया रास से मिलता जुलता नृत्य और मुंह में दो अलगोजे लेकर जब वातावरण में मधुर स्वर लहरी गूंजती है तो पूरा वातावरण ही सरस हो उठता है। वैसे ऐसा भी नहीं है कि होली के नाम पर बस गंदगी हो आज भी कुछ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इलाकों में वहां के लोग होलिका के पर्व की महत्ता को जानते हैं। यही वजह है कि आज भी बृज की लठ्ठमार होली, बस्तर की पत्थरमार होली, हरियाणा की कोड़ामार होली, राजस्थान की गाढ़े गुलाबी रंग की 'गैर' मथुरा की राधाकृष्ण होली व पंजाब के होलामहला का रंग आज भी सर चढ़कर बोलता है और वातावरण में 'होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे बजा दे बांसुरी जैसे सुमधुर गीत सुनाई देते हैं। होली जहां एक और मनोविकारों के दहन का पर्व माना जाता है वहीं ओझा, तांत्रिक व टोने -टोटके वाले भी इस दिन मायाजाल फैलाते हैं, इसलिए इस दिन अपने बच्चों का खास ख्याल रखना जरूरी है। उत्तर भारत के बहुत से गांवो में आज भी उल्लास के साथ न केवल होलीपूजन होता है वरन वहां अब भी रात में होली के गीत की गूंजते हैं। होलिका को सूत की डोर से बांधकर हल्दी, बेर, बताशे आदि से पूजा जाता है और रात्रि में शुभ मुहुर्त में होलिका दहन किया जाता है। वहां आज भी माना जाता है कि होलिका के दहन करने से मनुष्य के सारे पाप उसकी अग्नि में जल जाते हैं। आज के ही दिन नए अनाज की प्रथम आहुति भी अग्निदेव को अर्पित करते हैं, मगर खेद का विषय है कि होलिका के पर्व का असली जश्न अब वाले उन्ही अंचलों में रह गया है जहां अभी भौतिक प्रगति के पांव पूरी तरह से नहीं पड़े हैं। अधिकांश क्षेत्रों में तो होलिका का पर्व हो-हुल्लड़ या फिर धींगा मस्ती का पर्याय बन कर रह गया है। रंगों की जगह कैमिकल्स, गोबर कीचड़ व अन्य हानिकारक पदार्थों ने होली की गरिमा को लगातार कम किया है वहीं बढ़ती शराबखोरी, भांग व ड्रग्स का इस्तेमाल इस पावन पर्व को अपवित्र कर रहा है। होली के बहाने छेड़छाछ.व अश्लीलता पर रोक लगाने का प्रयास अगर नहीं किया गया तो होली का आनंद व पर्व दोनों ही संकट में पड़ जाएंगे। होली के मान, मर्यादा व मस्ती के बीच संतुलन बनाना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से सभी दुखों को खत्म किया जा सकता है

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी।

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

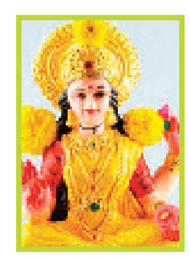

संकलित
प्रेरणा

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूँढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछाः दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोलेः देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं: देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोलेः देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूँ। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूँ। इन्द्र बोलेः देवी! आप असुरों के यहाँ निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं: देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहाँ सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों।

अंतर्मन

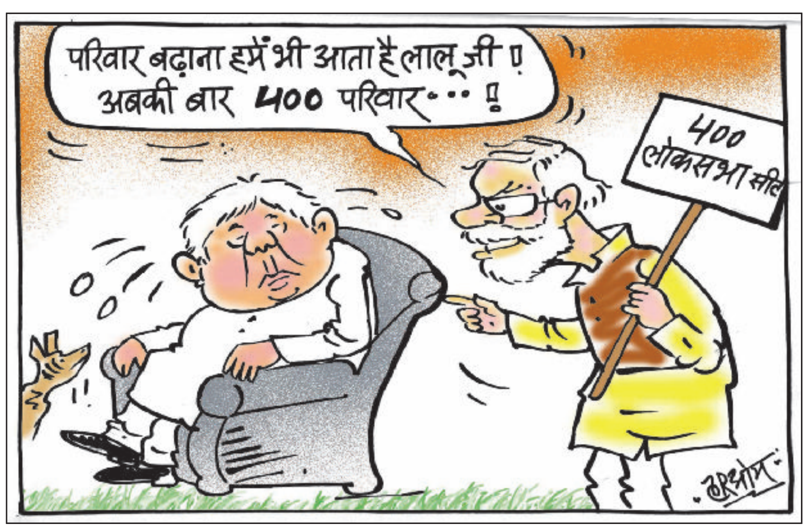

आज की पाती

वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। तब से हर वर्ष की 21 मार्च को यह दिवस मनाया जाता है। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि अब वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है।

- रमेश त्यागी, महासमुंद

करंट अफेयर

गाजा में सहायता भेजने की आवश्यकता है : गुतारेस

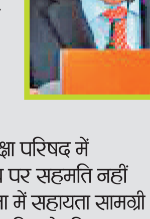

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गाजा जाने का इंतजार कर रहे ट्रकों की लंबी कतार के पास खड़े होकर शनिवार को कहा कि यह गाजा को अधिक से अधिक मात्रा में जीवनरक्षक सहायता देने का समय है और उन्होंने इजराइल एवं हमास के बीच तत्काल संघर्ष विराम का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गाजा के रफह शहर के निकट मिस्र की सीमा में यह बात कही। इजराइल तमाम चेतावनियों के बावजूद रफह में जमीनी हमला शुरू करने की योजना पर काम कर रहा है। गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने वहां शरण ले रखी है। गुतारेस ने कहा कि आगे कोई भी हमला हालात को और भी बदतर बना देगा। उन्होंने कहा कि हालात सिर्फ फलस्तीनी नागरिकों के लिए बदतर नहीं होंगे, बल्कि बंधकों और क्षेत्र के सभी लोगों के लिए भी बदतर होंगे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल संघर्ष विराम के लिए अमेरिका प्रयोजित प्रस्ताव पर सहमति नहीं बनने के एक दिन बाद यह बात कही। गुतारेस ने गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने में आ रही दिक्कतों को बार-बार रेखांकित किया जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसी इजराइल को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम मायूसी देख रहे हैं.. सीमा के एक ओर रुके हुए ट्रकों की लंबी कतार है और दूसरी तरफ भुखमरी का साया।'

ऑफ बीट

तापमान बढ़ने से दक्षिण की ओर जा रही प्रजातियां

पारिस्थितिकी विज्ञानियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्नों में से एक यह समझना है कि जलवायु के तेजी से बदलने के साथ पारिस्थितिकी तंत्र कैसे बदलेगा। हम पहले ही देख रहे हैं कि पौधों और पशुओं की कई प्रजातियां बढ़ते तापमान के कारण ऊपरी स्थानों और ध्रुवों की ओर जा रही हैं। इसकी बहुत ज्यादा संभावना है कि ज्यादातर प्रजातियां अपने पसंदीदा तापमान वाले स्थानों की तलाश में निकलेंगी। लेकिन अजीब बात यह है कि कई प्रजातियां मौजूदा तापमान से कहीं अधिक तापमान में भी जीवित रह सकती हैं। हम अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि तापमान पारिस्थितिकी तंत्र को इतनी दृढ़ता से क्यों प्रभावित करता है। इस पहेली पर प्रकाश डालने के लिए हमारे नए शोध में ऑस्ट्रेलियाई पौधों की नयी श्रृंखला का इस्तेमाल किया गया और प्रत्येक प्रजाति की न्यूनतम व अधिकतम तापमान प्राथमिकताओं की गणना की गयी है। ये आंकड़े हमें बताते हैं कि औसतन वार्षिक तापमान में 15 डिग्री सेल्सियस से 16 डिग्री सेल्सियस तक बदलाव के कारण कितनी प्रजातियां खो चुकी हैं या पैदा हुई हैं। परिणाम आश्चर्यजनक हैं। ऑस्ट्रेलिया के नमी वाले पूर्वी तट में तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर औसतन 19 फीसदी और प्रजातियां मिली और 14 प्रतिशत प्रजातियां लुप्त हो गयीं।

ट्रेंड

तत्काल रिहाई का समय

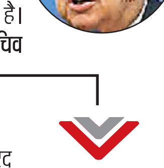

गाजा के लोगों पर भय और भुखमरी का संकट मंडरा रहा है। कोई भी और हमला सब कुछ बदतर बना देगा। फ़िलिस्तीनी नागरिकों के लिए, बंधकों के लिएइससे भी बदतर। यह तत्काल मानवीय युद्धविराम और बंधकों की तत्काल रिहाई का समय है।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

ऐसा नहीं होने दूंगा

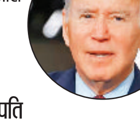

डोनाल्ड ट्रंप अफोर्डेबल केयर एक्ट को रद करने से सिर्फ एक वोट दूर थे।अब, वह इसे "समाप्त" करने के लिए फिर से प्रयास करने और मेडिकेयर और सामाजिक सुरक्षा में कटौती करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

-जो बाइडेन, अमेरिकी राष्ट्रपति

हिस्सेदारी न्याय लाई कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी हिस्सेदारी न्याय क्यों लाई है? भारत के एक प्रतिशत सबसे अमीर लोग राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत का लुत्फ़ उठाते हैं। ये मोदी सरकार में हुआ है। 2014 और 2022 के बीच अरबपतियों की नेट संपत्ति 280% से अधिक बढ़ी है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

रामलीला मैदान गवाह बनेगा

इंडिया यानी भारत एकजुट होकर केजरीवाल की राजनीतिक गिरफ्तारी का विरोध करेगा। सभी भारतीय दल 31 मार्च को एक संयुक्त मेगा रैली आयोजित करेंगे। रामलीला मैदान लोकतंत्र को बचाने एकजुटता के साथ खड़े होने के लिए लाखों लोगों को एक साथ आने का गवाह बनेगा।

-राघव चड्ढा, आप सांसद

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

माल ढुलाई में रायपुर मंडल को सालभर में मिला 5000 करोड़ का राजस्व

रायपुर। माल ढुलाई में रायपुर रेलमंडल ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में 23 मार्च 2024 तक अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक 5000 करोड़ माल लदान राजस्व हासिल किया है। डीआरएम संजीव कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि रेलकर्मियों को समर्पित है। अनुशासित प्रयास से विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर काम करते हुए सर्वाधिक माल लदान आय अर्जन की है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में 5000 करोड़ माल लदान आय हासिल करने का यह कीर्तिमान रायपुर मंडल का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। देश के विभिन्न राज्यों को रायपुर रेलमंडल ने यह अभूतपूर्व सेवा प्रदान कर देश की प्रगति में सहायक भूमिका निभाई है। इस अवधि में माल लदान में स्टील, चावल, कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, खाद्यान, डोलोमाइट, लाइम स्टोन आदि शामिल हैं। यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के निर्देशन व भारतीय रेल यातायात सेवा अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन से संभव हुई। इस उपलब्धि के अवसर पर नियंत्रण कक्ष में मंडल रेल प्रबंधक की उपस्थिति में केक काटकर प्रसन्नता व्यक्त की गई।

डिप्टी सीएम ने कवि ठाकुर को किया सम्मानित

रायपुर। कवि संजीव ठाकुर को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सादे समारोह में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने गोल्डन बुक का वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा, लेखक, कवि एक तपस्वी की तरह होता है और लेखन कार्य किसी भी कष्ट साध्य साधना से काम नहीं है। हर व्यक्ति के लिए हर समय साहित्य लेखन अथवा कविता लिखा जाना संभव नहीं हो सकता। इसके लिए एक विशेष मनःस्थिति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि साहित्य में संपादकीय आलेख लिखकर विश्व कीर्तिमान बनाना एक अद्भुत, किंतु कष्ट साध्य कार्य है, लेकिन यह दुरुह कार्य लेखक कवि संजीव ठाकुर ने बखूबी किया। उन्होंने अनेक साहित्यिक विदेश यात्राएं भी की हैं। उनकी अनेक किताबें प्रकाशित हो चुकीं हैं एवं लगभग 10 अन्य किताबें प्रकाशनाधीन है। इस अवसर पर गोल्डन बुक की प्रतिनिधि सोनल राजेश शर्मा, आरडीए के पूर्व अध्यक्ष श्याम बैस, पूर्व आईजी प्रदीप नारायण तिवारी, चंद्रकांत पांडे, सोनल राजेश शर्मा, रमेश झा, ऐश्वर्या राज ठाकुर एवं अन्य नागरिक उपस्थित थे।

महिलाओं ने खेली सूखी होली

रायपुर। बुजुर्गों एवं अशक्तजनों के लिए कार्य करने वाली हम साथ-साथ सामाजिक संस्था ने रविवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया। इसमें संस्था के सदस्य शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नशामुक्त और पारंपरिक होली मनाने पर जोर दिया गया तथा लोगों को जागरूक करने का आव्हान किया गया। साथ ही राधाकृष्ण पर आधारित सुंदर होली गीत, फाग गीत गाकर और फूल, गुलाल की होली खेलकर होली मिलन समारोह का समापन किया गया।

नकली सोने का ब्रेसलेट गिरवी रखकर ठग लिए ढाई लाख

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में सोने-चांदी के जेवरों का कारोबार करने वाले सराफा कारोबारी ने एक ठग के खिलाफ नकली सोने का ब्रेसलेट गिरवी रखकर ढाई लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस सोने-चांदी के दुकान में लगे सीसीटीवी फूटेज के आधार पर आरोपी की पतासाजी करने में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक दोंदेखुर्द में साईं ज्वेलर्स के नाम से सोने-चांदी का कारोबार करने वाले महेश कुमार थवाइत ने विशाल कुमार सोनी के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। महेश ने पुलिस को बताया कि 19 मार्च को विशाल उसके पास आया और जमीन खरीदने पैसों की जरूरत पड़ने की बात कहकर ढाई लाख रुपए मांगे। इसके लिए विशाल ने अपने पास रखे करीब पांच तोले का सोने का ब्रेसलेट गिरवी रखने का झांसा दिया।

स्क्रीनटाइम की लगी ऐसी लत कि एक साल में 37 हजार से ज्यादा बच्चों को लग गया चश्मा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

कोरोनाकाल के दौरान ऑनलाइन क्लासेस के वजह से बढ़ी मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन क्लासेस की लत बच्चों से अब तक नहीं छूट पाई है। इसकी वजह से कम उम्र में ही नजर कमजोर होने की शिकायत बढ़ रही है। बीते साल स्वास्थ्य विभाग के अमले ने करीब 10.10 लाख बच्चों की जांच की और 37 हजार की नजर कमजोर मानकर उन्हें चश्मे का वितरण किया। इस बार अमला मिडिल के साथ हाईस्कूलों में जाकर भी जा कर रहा है और उन्हें नेत्रों की सुरक्षा से संबंधित जानकारी भी दे रहा है।

वर्ष 2021-22 की तुलना में इस बार 13 हजार से अधिक बच्चों को लिखने-पढ़ने सहित अन्य कार्यों के लिए चश्मे की आवश्यकता पड़ी है। नेत्र चिकित्सकों के मुताबिक कोरोना लॉक डाउन के दौरान बच्चे पढ़ाई के लिए ऑनलाइन सिस्टम के भरोसे हो गए थे। धीरे-धीरे कंप्यूटर अथवा मोबाइल पर चिपके रहना उनकी आदत हो गई, जो महामारी समाप्त होने के बाद भी छूट नहीं रही है। इसके साथ बच्चे ज्यादा समय तक टीवी देख रहे हैं, जिसकी तेज रोशनी उनकी आंखों की रोशनी के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है। इस तरह की समस्या को कम करने के लिए स्वास्थ्य अमला स्कूलों में जाकर हर तीन महीने में बच्चों के नेत्र की जांच कर रहा है। आवश्यकता के अनुसार उन्हें चश्मे का वितरण कर रहा है। जिनकी समस्या अधिक गंभीर है, उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों में बुलाकर जांच कराने की सलाह दी जा रही है। इस बार चश्मा लगाने वाले बच्चों की जांच के फालोअप पर भी जोर दिया जा रहा है और यह देखा जा रहा है कि चश्मे के उपयोग से उनकी नजर में किस तरह का बदलाव आ रहा है। वे इसका उपयोग कर रहे हैं अथवा नहीं और किसी वजह से वह टूट-फूट गया है, तो उसे बदलने की सुविधा भी दी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार 37 हजार बच्चों को चश्मा वितरण का काम शासकीय स्तर पर पूरा हुआ है, लेकिन माता-पिता आंख की समस्या होने पर बच्चों को निजी अस्पतालों में ले जाकर भी जांच करवाते हैं, जहां नजर कमजोर होने पर चश्मा लगाने की सलाह दी जाती है। इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है कि चश्मे की जरूरत वाले बच्चों की संख्या इससे दोगुनी हो सकती है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 12 से 18 मार्च को ग्लूकोमा सप्ताह मनाया गया था। इस दौरान राज्यभर में पचास हजार लोगों की जांच की गई, जिसमें 309 लोगों को कालामोतिया यानी ग्लूकोमा से पीड़ित पाया गया। इसके अलावा 3600 लोगों को सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित पाया गया। चिकित्सकों के अनुसार ग्लूकोमा आंखों की तंत्रिका का पानी एक स्थान पर एकत्रित होने की वजह से होता है। इसकी वजह से अगर आंखों की रोशनी जाती है, तो वापस नहीं लौट सकती।

नवापारा में रहने वाली 92 वर्षीय सीरिया बाई बाफना की आंखों से किसी जरूरतमंद मरीज की आंखों की रोशनी लौटेगी। उनके निधन के बाद परिवारवालों ने नेत्रदान की इच्छा पूरी की। नेत्र सहायक सूरज प्रसाद देवांगन की सूचना पर आंबेडकर अस्पताल आई बैंक की टीम ने नवापारा जाकर नेत्र प्राप्त किया।

बच्चों को उपयोग कम करने प्रेरित करें

आंखों से संबंधित समस्या ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से सामने आ रही है। बच्चों को इसका उपयोग कम करने प्रेरित करने की आवश्यकता है। इस बार मिडिल के साथ हाईस्कूल में भी जांच की जा रही है और बच्चों का फालोअप भी लिया जा रहा है।

– **डॉ. निधि ग्वालरे,** नेत्र चिकित्सक एवं नोडल अफसर, अंधत्व निवारण कार्यक्रम

भाठागांव के मठपुरैना, ढेबर सिटी बीएसयूपी परिसर में विशेष सफाई अभियान

लभांडी में डायरिया फैलने के बाद कई इलाकों में पानी की जांच

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

4 दिनों में 85 से अधिक बच्चे, युवा, बुजुर्ग पहुंचे अस्पताल

राजधानी के लभांडी इलाके में डायरिया का प्रकोप बढ़ने के बाद हरकत में आए निगम प्रशासन ने अब शहर के सभी बीएसयूपी परिसरों में पेयजल स्त्रोतों की सफाई का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। भाठागांव के मठपुरैना, ढेबर सिटी बीएसयूपी आवासीय परिसर के अलावा जोन 10 के अमलीडीह में निर्मित बीएसयूपी आवासीय परिसर में लोक स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से पानी के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता जांचने फिल्टर प्लांट के लैब भेजने की तैयारी में है।

विद्याचरण शुक्ल वार्ड के लभांडी इलाके की आदर्श संकल्प सोसायटी फेज-2 में पिछले 4 दिनों में उल्टी-दस्त से पीड़ित 85 से अधिक बच्चे, युवा और बुजुर्ग अस्पताल पहुंचे हैं। लभांडी इलाके में दूषित पानी से डायरिया संक्रमण को लेकर बीती देर रात 8 लोगों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं सोसायटी में लगातार फैल रहे डायरिया से लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू बीती रात डायरिया से प्रभावित मरीजों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हालचाल जाना। लोगों ने विधायक के सामने भी खुलकर नाराजगी जताई। जबकि सांसद सुनील सोनी अब तक प्रभावित इलाके में नहीं पहुंचे। कलेक्टर और निगम आयुक्त के निर्देश पर शहर के सभी बीएसयूपी आवासीय परिसर, प्रधानमंत्री आवास योजना की कॉलोनियों में सीवरेज लाइन की सफाई, जलस्त्रोत के नमूने लेने अभियान चलाया जा रहा है। जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की निगरानी में ब्लीचिंग, चूना पावडर का छिड़काव कराया जा रहा है। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रविवार को संकल्प सोसायटी फेज-2 के पीएम आवास योजना परिसर पहुंचकर सिविल सर्जन के माध्यम से उल्टी-दस्त के मरीजों से मिलने के बाद वहां लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था देखी।

गर्मी में मौसम का हाल बताने वाला दस करोड़ का कलर डाप्लर अब बारिश में करेगा काम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

गर्मी के मौसम में होने वाले आसमानी हलचल की जानकारी देने वाला मौसम विभाग का कलर डाप्लर राडार अब तक स्थापित नहीं हो पाया है। अनुबंध के दौरान इसे मार्च महीने के अंत तक काम करना शुरु कर देना था मगर स्थापित किए जाने का काम शुरुआती दौर में होने की वजह से इसके बारिश के मौसम में एक्टिव होने की संभावना है।

- **मौसम विभाग का राडार, कृषि विवि में किया जाना है स्थापित, मार्च में हो जाना था एक्टिव अभी काम शुरुआती दौर में**

भारत मौसम विभाग और कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन के बीच इस राडार की स्थापना के लिए सालभर पहले एमओयू हुआ था। उस दौरान सारी प्रक्रिया पूरी कर इसे मार्च अंतिम तक स्थापित करने की लक्ष्य रखा गया था। निर्माण एजेंसी तय होने और उसका काम शुरु होने की धीमी प्रक्रिया की वजह से विलंब हो चुका है, इसकी वजह से इसके एक्टिव होने में तीन से चार माह का वक्त लगने की संभावना है यानी गर्मी का हाल बताने वाला राडार अब मौसम विभाग को बारिश की गतिविधियों के बारे में जानकारी दे पाएगा। दस करोड़ की लागत से स्थापित होने वाले इस राडार को रायपुर में स्थापित करने के लिए मौसम विशेषज्ञों को काफी प्रयास करना पड़ा था। इसके बाद स्थल चयन के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी तब जाकर कृषि विश्वविद्यालय परिसर को स्थापना के लिए उचित माना गया था। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि राडार की क्षमता ढाई सौ किलोमीटर की होगी। इस परिधि में मौसम को लेकर होने वाली किसी भी तरह की आसमानी हलचल को राडार पकड़ेगा और उससे क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभाव के बारे सिस्टम के माध्यम से मौसम विशेषज्ञों को जानकारी प्रेषित करेगा। राडार की ऊंचाई तीस मीटर होगी, ऊंचाई की वजह से ही इसे माना एयरपोर्ट में लगाना स्थगित किया गया था । राडार को काफी साल पहले मौसम वेधशाला लालपुर में स्थापित करने की योजना बनाई गई थी। इसे मंजूरी भी मिल चुकी थी मगर घनी आबादी के बीच दफ्तर नहीं होने की वजह से इस पर आपत्ति आनी शुरु हो गई थी।

रेलवे की कॉलोनियों में लगेंगे ओपन जिम

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रेलवे के 50 आवास वाली कॉलोनी के रहवासियों को अब ओपन जिम की सुविधा मिलेगी। जोनल पीएनएम बैठक में इस पर निर्णय लिया गया है। इसके अलावा रेलकर्मियों की सुविधा से जुड़े और भी प्रस्तावों पर सहमति की मुहर लगी। बैठक की अध्यक्षता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के महाप्रबंधक आलोक कुमार ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सब की क्षमता लगभग एक समान है। वहीं व्यक्ति अपनी सोच को बढ़ाकर निरंतर प्रयास करे तो हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। यही लक्ष्य लेकर हमने मेरे दो साल आठ माह के कार्यकाल में रेलवे स्वास्थ्य विभाग में व्यापक परिवर्तन किया है। व्यवस्था में सुधार के लिए आधुनिक मशीनें दी गई हैं। रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज कर 11 स्पेशलिस्ट डॉक्टर के पद स्वीकृत हुए हैं। इसके अलावा 17 करोड़ के, बिलासपुर में आधुनिक इंडोर स्टेडियम की स्वीकृति दी गई है। इनमें कुछ मांगें रेलवे मजदूर कांग्रेस की थी। वर्ष 2024 के प्रथम जोनल स्थाई वार्ता तंत्र पीएनएम बैठक 21 व 22 मार्च को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक आलोक कुमार के अलावा रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल अध्यक्ष तपन चटर्जी भी उपस्थित थे। महाप्रबंधक अलोक कुमार के पदस्थ रहते रेल कर्मचारियों के हित में ऐतिहासिक फैसले हुए। जीडीसी कोटा लगातार किया गया। 10 फीसद इंटक कोटा, 35 करोड़ का ओवर टाइम पेमेंट तीनों मंडल के स्टेशन मास्टर को दिया। रेलवे कालोनी विकास के लिए महाप्रबंधक ने स्पेशल बजट दिया। बैठक का संचालन आरके अग्रवाल ने की। बैठक में उपमहाप्रबंधक वीके साहू, रेलवे मजदूर कांग्रेस के केंद्रीय पदाधिकारी बी. कृष्ण कुमार, डी. विजय कुमार, डीके स्वाइन, विजय अग्निहोत्री, लक्ष्मण राव ने भाग लिया। बिलासपुर, रायपुर, नागपुर मंडल के रनिंग कर्मचारियों की सभी समस्याओं के निराकरण के लिए अप्रैल माह में संयुक्त रनिंग मीटिंग होगी। इसके अलावा केंद्रीय चिकित्सालय में हास्पिटल असिस्टेंट खाली पदों में ट्रैक मेंटेनर, मेडिकल विभाग के ग्रुप डी स्टाफ से भरा जाएगा। रेलवे मेडिकल कॉलेज बिलासपुर में स्थापित कर कुछ महत्वपूर्ण कोर्स की शुरुआत की जाएगी। दुर्भावना से एपीआर को खराब करने वाले अधिकारी के निर्णय को समीक्षा कर सुधार करने का अवसर दिया जाएगा। कमर्शियल सहित इंजीनियर विभाग में ट्रैक मेंटेनर के उत्पीड़न मामले में रोक लगाने के लिए गलत मनमाने स्थानांतरण पर रोक लगाई जाएगी।

ट्रेन और प्लेटफार्म पर तस्करों को पकड़ने हर यात्री के सामान की जांच

होली पर्व के मद्देनजर स्टेशन व ट्रेनों की सुरक्षा तगड़ी कर दी गई है। रेलवे के दोनों सुरक्षा विभाग आरपीएफ व जीआरपी की टीम ने पार्सल, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय से लेकर चप्पे-चप्पे की जांच की। इस दौरान यह भी देखा गया कि कोई यात्री शराब या नशे का दूसरा सामान लेकर यात्रा तो नहीं कर रहा। हुड़दंग न हो, इसलिए यात्रियों से जानकारी भी ली गई। पर्व के दौरान एकाएक ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है। स्टेशन के अंदर प्लेटफार्म पर भी पैर रखने की जगह नहीं रहती। इसी भीड़ का फायदा उठाकर अपराधी सक्रिय हो जाते हैं और यात्रियों से मारपीट, विवाद या उनका कीमती सामान और नकद चोरी करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में आरपीएफ व जीआरपी दोनों को सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश उच्चाधिकारियों ने दिए हैं। इसी के मद्देनजर रविवार को दोपहर से दोनों सुरक्षा विभाग की टीम स्टेशन में जांच करती नजर आई। सबसे पहले प्लेटफार्म का जायजा लिया। इस दौरान जिन पर जरा भी संदेह हुआ, उनसे पूछताछ की गई और उनके पास रखे लगेज की जांच भी की गई। दरअसल होली पर्व पर कई यात्री शराब लेकर यात्रा करते हैं। यात्रा के दौरान शराबखोरी भी होती है। यह बाद में अपराध का कारण बनती है। जांच के दौरान रायपुर से ट्रेन रवाना होने के बाद यदि कोई भी परेशानी आती है तो उन्हें किस नंबर पर कॉल करना है, यह भी बताया गया। जांच टीम के साथ डाग स्क्वाड भी मौजूद था, जो यात्रियों के लगेज को सूंघकर यह परखने का प्रयास कर रहा था कि कोई यात्री प्रतिबंधित चीजें लेकर यात्रा तो नहीं कर रहे हैं। हालांकि दो से तीन घंटे तक चली इस जांच के दौरान किसी तरह की खामियां या आपराधिक प्रवृत्ति के लोग नहीं मिले, लेकिन आरपीएफ व जीआरपी की इस सतर्कता से यात्री सफर के दौरान खुद को सुरक्षित महसूस करते नजर आए। कुछ यात्री जांच को देखकर घबरा भी गए। जिन्हें न डरने का सुझाव दिया गया और उन्हें बताया गया कि यह नियमित जांच का हिस्सा है।

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में रही गिरावट

नई दिल्ली। देश की प्रमुख मंडियों में सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों पर दबाव रहा और इनकी कीमतें हानि दर्शाती बंद हुईं। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान मंडियों में लगभग 13 लाख से 16 लाख बोरी तक सरसों की आवक हुई। हालांकि यह आवक ज्यादातर छोटी जोत वाले किसानों की थी जिन्हें पैसों की आवश्यकता थी। बड़े किसान अब भी सरकार की ओर से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों की खरीद होने का इंतजार करते दिखे।

हिंदुस्तान जिंक के विभाजन की योजना हुई खारिज

HINDUSTAN ZINC

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा कंपनी को विभिन्न इकाइयों में विभाजित करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार के पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 'हम प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए।' हिंदुस्तान जिंक ने पहले अपने बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने के लिए जस्ता और चांदी के कारोबार को अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करने की योजना की घोषणा की थी।

यूनो मिंडा का स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़

नई दिल्ली। ऑटो कलपुर्जा निर्माता यूनो मिंडा ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश में इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति उपकरणों के निर्माण और बिक्री के लिए स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने घरेलू चार्जिंग के लिए डिजाइन किए गए वॉल-माउंटेड एसी चार्जर के लिए स्टारचार्ज एनर्जी पीटीई के साथ एक तकनीकी लाइसेंस समझौता किया है। ''यह सहयोग ''मेक इन इंडिया'' के प्रति हमारे समर्पण और एक टिकाऊ और विद्युतीकृत भविष्य के लिए हमारे समर्पण को और मजबूत करता है।

क्रिएटिव ग्राफिक्स का 28 मार्च को खुलेगा आईपीओ

Creative Graphics

नई दिल्ली। पैकेजिंग क्षेत्र की कंपनी क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस इंडिया लिमिटेड ने कहा कि उसका प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मार्च को खुलेगा। आईपीओ का आकार 54.4 करोड़ रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक निर्गम चार अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 27 मार्च को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ के बाद, कंपनी के शेयरों को एनएसई के इमर्ज पर सूचीबद्ध किया जाएगा - जो छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक मंच है।

बायजू ने अपने 30 ट्यूशन सेंटर को बंद किया

नई दिल्ली। वित्तीय संकट का सामना कर रहे बायजू ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न लिमिटेड ने अपने 292 ट्यूशन सेंटर में से 30 को बंद कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म ने कहा कि बायजू ने खर्च कम करने के उपायों के तहत इन ट्यूशन सेंटर को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने संचालन के तीसरे वर्ष में अधिकांश केंद्रों को मुनाफे में लाने का लक्ष्य रखा है। बायजू ने एक बयान में कहा कि उसे अपने शिक्षकों के समर्पण और अपने छात्रों के प्रदर्शन पर बेहद गर्व है।

सोने में तेजी का भारतीयों ने उठाया फायदा, 53 लाख किलो सोने पर लिया गोल्ड लोन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है

2020 में देश में कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद सभी प्रकार के लोन सस्ते हो गए थे जिसमें गोल्ड लोन भी शामिल है। तब सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक 7.50 फीसदी के दर पर गोल्ड लोन ऑफर कर रहा था।

एक तरफ गोल्ड लोन सस्ते दर पर मिल रहा था तो सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही थी।तब सस्ते दर पर गोल्ड लोन का लोगों ने जमकर फायदा उठाया। बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने सोने को लेकर हाल ही में एक रिपोर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय परिवारों ने 5300 टन यानि 53 लाख किलो सोना गिरवी रखकर वित्तीय संस्थानों से गोल्ड लोन लिया है।

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान

60 फीसदी बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा

देश में गोल्ड लोन मार्केट में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी केवल 40 फीसदी है जो कि 6 लाख करोड़ रुपए के करीब है। जबकि बाकी 60 फीसदी गोल्ड लोन बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा है। यानि देश में ज्यादातर लोग गोल्ड लोन के लिए अभी भी सुनार या साहूकारों पर निर्भर हैं। कुल 9 लाख करोड़ रुपए के गोल्ड लोन मार्केट पर इनका कब्जा है।

गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने बढ़ाई सरकार की चिंता : गोल्ड लोन की डिमांड बढ़ी है लेकिन बैंकों के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने सरकार और वित मंत्रालय की चिंता भी बढ़ा दी है। सरकार ने बैंकों की ओर से गोल्ड लोन देने में रेग्यूलेटरी नियमों के अनुपालन में उल्लंघन का मामला पाया है। हाल ही में वित मंत्रालय ने सभी सरकारी बैंकों को गोल्ड लोन पोर्टफोलियो के समीक्षा करने के आदेश दिए हैं।

गोल्ड लोन लेने का बढ़ा चलन

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान है। जिसमें से करीब 20 फीसदी सोना बैंकों के पास गिरवी पड़ा है जिसपर लोगों ने गोल्ड लोन लिया है। 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है जो सालाना 17 फीसदी के दर से ग्रोथ दिखा रहा है और अगले 5 वर्षों यानि 2029 तक इसके 12.22 फीसदी के दर से बढ़ने का अनुमान है।

बैंकों ने जमकर बांटे गोल्ड लोन

31 दिसंबर 2023 तक एसबीआई का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो 30,881 करोड़ रुपए का रहा है। पंजाब नेशनल बैंक का 5315 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा का 3682 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक बैंक या फिर एनबीएफसी सोने की ज्वैलरी के कुल वैल्यू का 75 फीसदी तक गोल्ड लोन दे सकते हैं।

सरकार दे रही पर्यावरण अनुकूल परिवहन नीति को प्रोत्साहन

कई बड़ी कंपनियां आगामी वर्षों में नए इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की तैयारी में

- मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियां कर रही मांग पूरी
- महिंद्रा आने वाले पांच वर्षों में नए बैटरी वाहन पेश करेगी
- मारुति बिजली चालित वाहनों के लिए गंभीर निवेश कर रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार द्वारा नई नीति के अनावरण के जरिये पर्यावरण अनुकूल परिवहन को प्रोत्साहन देने की वजह से आज भारतीय वाहन उद्योग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल उतारने की तैयारी कर रहा है।

वाहन क्षेत्र की मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी बड़ी कंपनियां विभिन्न खंडों की मांग को पूरा करने के लिए नए बिजलीचालित मॉडल लाने की तैयारी में हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वाहन क्षेत्र नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि कंपनी आने वाले वर्षों में पांच नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी।

सभी वर्ग के उपभोक्ताओं की जरूरत होगी पूरी

इसकी शुरुआत जनवरी, 2025 से होगी। उन्होंने कहा, ये इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) महिंद्रा के नवोन्मेषी आईएनजीएलओ मंच पर बनाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य विविधता वाली श्रृंखला के जरिये विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं की जरूरत को पूरा करना है।

मारुति पोर्टफोलियों बढ़ाने पर देगी ध्यान

इन एसयूवी को उतारने का मकसद इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। 2027 तक हमारे पोर्टफोलियो का 20 से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा कि हम बिजलीचालित वाहन क्षेत्र में 'गंभीर' निवेश कर रहे हैं।

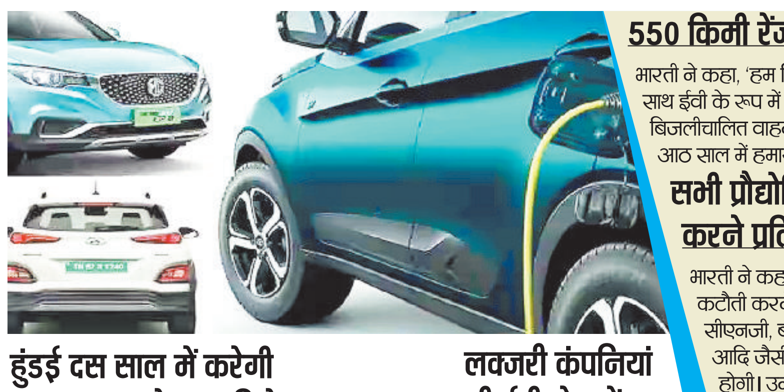

हुंडई दस साल में करेगी 26 हजार करोड़ का निवेश

कंपनी की योजना तमिलनाडु में अगले 10 साल में 26,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है। इस निवेश में राज्य में बैटरी असेंबली संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2026 तक अपने बिजलीचालित मॉडल की संख्या को 10 करने का है।

ईवी की हिस्सेदारा 2030 तक होगी 20 फीसदी : गर्ग ने कहा कि कई उद्योग अनुमानों के अनुसार, ईवी का 2030 तक भारत के वाहन बाजार में हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि बिजलीचालित वाहन जल्द मुख्यधारा का हिस्सा होंगे।

लक्जरी कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में दिखा रही रूचि

कंपनी की योजना कर्व ईवी और हैरियर ईवी सहित चार और ईवी मॉडल पेश करने की है। लक्जरी वाहन कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में रुचि दिखा रही है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी योजना 2024 में 12 नए उत्पाद उतारने की है। इनमें से तीन नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) होंगे।

550 किमी रेंज की ईवी उतारेगी मारुति

भारती ने कहा, 'हम वित्त वर्ष 2024-25 में 550 किमी रेंज के साथ ईवी के रूप में नए सिरे से डिजाइन हाई-स्पेक बिजलीचालित वाहन का उत्पादन शुरू करेंगे। अगले सात-आठ साल में हमारे छह इलेक्ट्रिक वाहन होंगे।'

सभी प्रौद्योगिकियों पर काम करने प्रतिबद्ध

भारती ने कहा कि कार्बन और कच्चे तेल के आयात में कटौती करने के लिए देश को हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक, सीएनजी, बायो-सीएनजी, एथनॉल फ्लेक्स ईंधन आदि जैसी कई और प्रौद्योगिकियों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी सभी प्रौद्योगिकियों पर भी काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

हुंडई ने लंबी रेंज की एसयूवी कोना उतारी

हुंडई मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा कि हम देश में पहले मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) में से है जिसने पूर्ण लंबी रेंज वाली एसयूवी 'कोना' 2019 में उतारी थी। पिछले साल कंपनी ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनआईक्यू 5 पेश की थी।

भारत का कोयला आयात बढ़कर 21.22 करोड़ टन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सालाना आधार पर 1.65 फीसदी की मामूली वृद्धि

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश में कोयला आयात सालाना आधार पर 1.65 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 21.22 करोड़ टन हो गया है। अंतरव्यापारिक ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की इसी अवधि में भारत का कोयला आयात 20.87 करोड़ टन था। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा 13.64 करोड़ टन थी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान आयातित 13.69 करोड़ टन से थोड़ा कम है। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.73 करोड़ टन था, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 4.60 करोड़ टन से अधिक है। कोयला आयात बढ़कर 1.98 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के समान महीने में 1.69 करोड़ टन से अधिक था।

ताप बिजली संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला

खदानों और ताप बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति मार्च में भी जारी रहेगी। सरकार के अंतरिम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जनवरी अवधि में देश का कोयला उत्पादन 78.41 करोड़ टन हो गया है, जो 2022-23 में इसी अवधि के दौरान 69.89 करोड़ टन से कहीं अधिक है।

महिलाओं की कुल 37 प्रतिशत आबादी रोजगार में : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट ने जारी की रिपोर्ट
- पिछले वर्ष दो से पांच फीसदी की वृद्धि देखी गई

भारत में लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से 37 प्रतिशत सक्रिय रूप से रोजगार में हैं। प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट की 'भारत में महिला रोजगार की स्थिति।' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिलाओं को रोजगार देने के मामले में शीर्ष पर हैं। इसमें कहा गया कि 2023 में कनिष्ठ पेशेवर भूमिकाओं और कार्यकारी बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पिछले वर्ष की तुलना में दो से पांच प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट कहती है कि 2023 में शिक्षण संस्थानों से भर्ती होने वाले नए कर्मियों में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसमें कहा गया कि 0-3 वर्ष और 3-7 वर्ष का अनुभव रखने वाली महिला अभ्यर्थियों की संख्या उनके संबंधित कार्यक्षेत्र की कुल नियुक्तियों में 20-25 प्रतिशत है।

सबसे ज्यादा भर्ती हैदराबाद में

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को छोड़कर अधिकांश शहरों में महिलाओं के नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। दिल्ली-एनसीआर में गिरावट देखी गई है। भर्ती अनुपात सबसे ज्यादा 34 प्रतिशत हैदराबाद में, इसके बाद पुणे में 33 प्रतिशत, चेन्नई में 29 प्रतिशत है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में यह अनुपात 2022 की तुलना में दो प्रतिशत गिरकर 20 प्रतिशत रह गया है।

एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 38,000 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक डाले हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य के बीच एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 13,893 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में 55,480 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआई मार्च में उल्लेखनीय खरीदारी कर रहे हैं।

वैश्विक संकेतकों से तय होंगी शेयर बाजार की गतिविधियां

- विदेशी निवेशकों की भूमिका होगी महत्वपूर्ण
- बाजार में भी कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

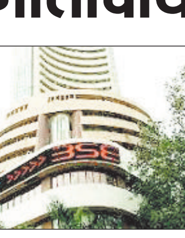

शेयर बाजारों की दिशा आगामी कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार सोमवार को 'होली' के मौके पर और शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के अवसर पर बंद रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, 'छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।' बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 188.51 अंक या 0.25 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73.4 अंक या 0.33 प्रतिशत चढ़ गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है।

एसएलईएल नया संयंत्र चालू करने की तैयारी में ...

नई दिल्ली। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एसएसईएल) जुलाई-सितंबर तिमाही तक आंध्र प्रदेश में 300 करोड़ रुपये का अपना नया संयंत्र चालू करना चाहती है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एन विश्वेश्वर रेड्डी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएसईएल 300 करोड़ रुपये की लागत से आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले में कंडक्टर बनाने का संयंत्र लगा रही है। उन्होंने कहा कि 300 टन की वार्षिक क्षमता वाला संयंत्र आठ एकड़ में स्थापित किया जा रहा है। रेड्डी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही तक संयंत्र को चालू करने की योजना है। कंडक्टर पारेषण लाइन परियोजना का एक प्रमुख तत्व हैं। उन्होंने आगे कहा कि एसएसईएल पारेषण ईपीसी परियोजनाओं में भी शामिल है और उक्त संयंत्र से कंडक्टर उत्पादन का लगभग 50 प्रतिशत कंपनी के पारेषण व्यवसाय में इस्तेमाल होगा।

मदर डेयरी गर्मियों में 30 नए उत्पाद करेगी पेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद : प्रबंध निदेशक
- उपभोक्ता मांग में 30 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

मदर डेयरी इन गर्मियों में मुख्य रूप से आइसक्रीम और दही श्रेणियों में 30 नए उत्पाद पेश करेगी। कंपनी को उपभोक्ता मांग में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

दिल्ली-एनसीआर की अग्रणी दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी के पास कंपनी के स्वामित्व वाले नौ डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र हैं जिनकी कुल क्षमता 50 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक की है। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने साक्षात्कार में कहा, 'गर्मी हमारे कारोबार के लिए सबसे प्रतीक्षित मौसम है, खासकर आइसक्रीम, दही और पेय पदार्थों जैसी श्रेणियों के लिए। उन्होंने कहा, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की इस साल सामान्य से अधिक तापमान और भीषण गर्मी के पूर्वानुमान के साथ हम इन श्रेणियों की मांग में कई गुना वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। बंदलिश ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में आइसक्रीम की बिक्री में पहले की वृद्धि देखनी को मिल रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस बढ़ती मांग से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसने अपने उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और क्षमता बढ़ाने के लिए 50 करोड़ रुपये तक का निवेश किया है। एमडी ने कहा, 'जैसे ही हम सीजन में प्रवेश कर रहे हैं, हम अपने उपभोक्ताओं को स्वर्ण जयंती वर्ष में 30 से अधिक नए आनंददायक उत्पादों की श्रृंखला की पेशकश के लिए तैयार हैं।

आगामी श्रृंखला में लगभग 20 नए आइसक्रीम उत्पाद शामिल होंगे। बंदलिश ने कहा, हमें उम्मीद है कि हमारे डेयरी उत्पादों की मांग पिछले साल की तुलना में 25-30 प्रतिशत तक अधिक रहेगी।'

एफएंडवी में विस्तार की घोषणा

मदर डेयरी ने डेयरी और फलों और सब्जियों (एफएंडवी) व्यवसाय के लिए अपनी विस्तार योजना की भी घोषणा की है। कंपनी दूध और फल-सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए दो नए संयंत्र स्थापित करने के लिए 650 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का निवेश करेग, जिससे कुल पूंजीगत व्यय 750 करोड़ रुपये हो जाएगा।

नए फीचर का नाम एआई स्पैम ब्लॉकिंग दिया गया

ट्रूकॉलर लाया कॉल ब्लॉक करने का जबर्दस्त फीचर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक किया जाएगा

कॉलर आईडी और स्पैम ब्लॉकिंग ऐप ट्रूकॉलर यूजर्स के लिए बड़े काम का फीचर लाया है। इस नए फीचर का नाम- एआई स्पैम ब्लॉकिंग है। यह फीचर यूजर्स के फोन पर आने वाले सभी स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक करेगा। ट्रूकॉलर का यह 'मैक्स' अपडेट केवल ऐंड्रॉयड डिवाइसेज के लिए रोलआउट हुआ है। कंपनी ने इस फीचर को अभी अपने प्रीमियम सब्सक्राइबर्स के लिए रोलआउट किया है। यह फीचर एआई की मदद से स्पैम कॉल्स करने वाले उन नंबर्स को भी ब्लॉक कर देता है, जो ट्रूकॉलर के डेटाबेस में मौजूद नहीं हैं।

अपडेट करना होगा ऐप

ट्रूकॉलर के नए फीचर के लिए आपको इस ऐप के वर्जन नंबर 13.58 की जरूरत पड़ेगी। फीचर को ऐक्टिवेट करने के लिए ऐप की सेटिंग्स में दिए गए ब्लॉक ऑप्शन में जाना होगा। ट्रूकॉलर ने कुछ हफ्तों पहले की एआई पावर्ड कॉल रिकॉर्डिंग फीचर को रोलआउट किया था। यह फीचर इंडियन यूजर्स के लिए आया है।

लगेगा सब्सक्रिप्श चार्ज

आईओएस कॉलर आईडी ऐप्स को स्पैम कॉल्स की ऑटोमैटिक ब्लॉकिंग की परमिशन नहीं देता। ट्रूकॉलर के इस फीचर के लिए यूजर्स को प्रीमियम प्लान को सब्सक्राइब कराना होगा। भारत में ट्रूकॉलर का मंथली सब्सक्रिप्शन चार्ज 75 रुपए है। वहीं, इसके ऐनुअल सब्सक्रिप्शन के लिए आपको 529 रुपए खर्च करने होंगे।

आईओएस के लिए रोलआउट किया गया

नए फीचर को लेकर ऐसी संभावना भी है कि यह नॉन-स्पैम कॉल्स को भी ब्लॉक कर सकता है। इस बारे में कंपनी ने कहा कि ऐसा नहीं होगा और इसे पक्का करने के लिए यूजर इनपुट का भी सहारा लिया जाएगा। यह फीचर आईओएस के लिए रोलआउट नहीं किया जा रहा।

बातचीत रिकॉर्ड कर सेव कर सकेंगे

इसे कंपनी आईओएस के साथ ही ऐंड्रॉयड डिवाइसेज पर भी ऑफर कर रही है। इस फीचर की मदद से यूजर ट्रूकॉलर ऐप के अंदर ही यूजर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल्स को रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस फीचर की मदद से यूजर जरूरी बातचीत को रिकॉर्ड करके सेव कर सकते हैं।

होली में पंजाब से खपाने लाए अफीम, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

कबीर नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मूलतः पंजाब निवासी एक व्यक्ति तथा रायपुर के एक अन्य व्यक्ति के कब्जे से 140 ग्राम अफीम जब्त कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार आरोपी रायपुर में लंबे अरसे से सक्रिय होकर प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे थे। कबीर नगर टीआई रविंद्र कुमार यादव के मुताबिक मूलतः पंजाब गुरदासपुर निवासी गजन उर्फ गजेंद्र सिंह तथा आरडीए कॉलोनी हीरापुर निवासी अमरजीत सिंह को अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया है। गजन राजनांदगांव के टेडेसरा में पिछले चार महीने से आकर रह रहा है और वह वहां ढाबा संचालित कर रहा है। गजन ढाबे की आड़ में पंजाब से लाकर प्रतिबंधित मादक पदार्थ खपाने का काम कर रहा था। जब्त अफीम की कीमत 50 हजार रुपए आंकी गई है।

- गिरफ्तार आरोपी ढाबे की आड़ में बेचता है मादक पदार्थ

नियमित कस्टमर तक पहुंचाते थे अफीम

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक गजन तथा अमरजीत ने अफीम खपाने कई नियमित ग्राहक तैयार कर लिए थे। गजन अपने इन नियमित कस्टमरों तक अफीम पहुंचाने हर सप्ताह राजनांदगांव से रायपुर आता था। पुलिस के अनुसार होली पर्व के अवसर पर ग्राहकों की विशेष मांग पर गजन अफीम लेकर रायपुर पहुंचा। पुलिस के मुताबिक गजन तथा उसका साथी प्रति दस ग्राम अफीम साढ़े तीन से चार हजार रुपए में बेचने का काम करते थे।

निवेश में सोना ही दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न, डेढ़ साल में कीमत बढ़ी 19 हजार

पांच साल में सोने की कीमत हो गई डबल से भी ज्यादा, 2018 में कीमत थी 30200, अभी कीमत 68600 रुपए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आम आदमी अपनी बचत में से निवेश के लिए कई तरह के तरीके अपनाता है। लेकिन निवेश में सबसे ज्यादा फायदा कहां है इसकी जानकारी कम लोगों को रहती है, इसलिए लोग जहां की जानकारी मिलती है, वहां पर निवेश कर देते हैं। लेकिन जानकार सबसे ज्यादा निवेश सोने में करते हैं। सोना ही निवेश के लिए सबसे खरा है। इसमें सबसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। जिस तरह से सोने की कीमत में पिछले एक साल से तेजी देखी जा रही है, उससे साफ है कि इसमें निवेश करने वालों की चांदी होती है। पिछले डेढ़ साल में सोने की कीमत में 19 हजार का इजाफा हुआ है। यानी करीब 25 फीसदी रिटर्न मिला है। इसके मुकाबले पिछले एक साल के दूसरे रिटर्न देखें तो इक्विटी ने 15 फीसदी, लिक्विड फंड ने 6.25 फीसदी और एफडी ने सात फीसदी का रिटर्न दिया है। प्रॉपर्टी में 12 से 15 फीसदी रिटर्न मिलता है। पिछले पांच साल में सोने की कीमत डबल से भी ज्यादा हो गई है। जो सोना जनवरी 2018 में 30200 था, वह अब 68600 हो गया है।

देश के साथ प्रदेश भर में निवेश की बात करें तो निवेश के लिए ज्यादातर लोग सोने को ही ज्यादा बेहतर मानते हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि सोने की कीमत पिछले कुछ सालों से लगातार आसमान पर जा रही है। ऐसा बहुत कम होता है कि कीमत में कमी आती है। ताजा उदाहरण ही ले लें। सोना पहली बार बीते साल मई में रिकॉर्ड 63 हजार के करीब पहुंच गया था। इसके बाद इसकी कीमत ने दीपावली से पहले 63 हजार को पार करके 63700 तक का सफर तय किया। इसके बाद कीमत कुछ कम हुई लेकिन अब वापस कीमत नए साल में 68 के भी पार हो गई है। आने वाले समय में कीमत 70 हजार के पार जाएगी।

2022 में धनतेरस और पुष्य नक्षत्र और दीपावली के समय राजधानी रायपुर में सोने की कीमत 50 हजार दो सौ रुपए थी, पिछले साल धनतेरस पर 63 हजार रही। यानी एक साल में कीमत में 13 हजार का इजाफा हुआ। इतना इजाफा पहले कभी किसी साल नहीं हुआ था। बीते साल कीमत में लगातार इजाफा होने से पहले कीमत 55 हजार के पार हुई। इसके बाद देश में सोना पहली बार इस साल 60 हजारी हुआ और इसके बाद सोना 63 हजारी की राह पर चला और अंत में यह 63 हजार के भी पार हो गया। बीते साल के अंत में सोना 65 हजार रहा नए साल में भी सोने की कीमत 65 हजार के पार रही। इसके बाद कीमत लगातार बढ़ते हुए अब 69 हजार के करीब पहुंच गई है। सोने के बाद निवेश के लिए लोग प्रॉपर्टी को सबसे अच्छा मानते हैं। रियल एस्टेट में बने मकानों की कीमत तो साल भर में करीब 12 से 15 फीसदी तक बढ़ती है, लेकिन प्लॉट की कीमत में ज्यादा इजाफा होता है। बिल्डर शैलेश वर्मा के मुताबिक प्लॉट की कीमत हर हाल 20 फीसदी तक बढ़ जाती है। यही वजह है कि लोग निवेश प्लॉट में ज्यादा करते हैं।

शेयर बाजार ज्यादा भरोसेमंद नहीं

शेयर बाजार में भी यूं तो फायदा होता है, लेकिन यह ज्यादा भरोसेमंद नहीं है। जानकारों के मुताबिक पिछले तीन सालों में इसमें करीब 25 फीसदी तक का रिटर्न मिला है, लेकिन पिछले साल की बात करें तो इसका प्रतिशत 15 रहा है। इसके अलावा एफडी की बात करें तो अब इसके ब्याज में इजाफा हुआ है। पहले इसमें रिटर्न 5.5 से छह फीसदी ही था। अब यह सात फीसदी से ज्यादा हो गया है, लेकिन सोने के मुकाबले में कोई भी सेक्टर बेहतर नहीं है। सराफा कारोबारी हरख मालू के मुताबिक सोने की कीमत पांच साल में डबल से भी ज्यादा हो गई है।

हल्के बादलों से 37 पर ठिठका तापमान, रंग-गुलाल की गर्मी के साथ धूप भी करेगी परेशान

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

हल्के बादलों से बीच रविवार को दोपहर का तापमान 37 डिग्री पर ठिठक गया। सोमवार को रंग-गुलाल के बीच तेज गर्मी लोगों की परेशानी का कारण बनेगी। मौसम की शुष्कता की वजह से धूप का असर भी काफी तेज हो चुका है और गर्मी के तेवर में अभी किसी तरह का बदलाव होने की संभावना नजर नहीं आ रही है।

मौसम की शुष्कता से लगातार बढ़ रहा पारा

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार राज्य में आने वाली हवा पश्चिमी है, जिसमें नमी की मात्रा बेहद कम है। इसका असर तेज गर्मी के रूप में महसूस हो रहा है। मौसम शुष्क होने की वजह से तापमान में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है और लोगों को धूप बेचैन कर रहा है। रविवार को शहर में दोपहर पूर्व तेज धूप ने लोगों को परेशान किया, मगर इसके बाद हल्के बादल आ गए, जिसकी वजह से पारा 37 डिग्री सेल्सियस से आगे नहीं जा सका।

तेज धूप करेगी परेशान

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि बादल बेहद मामूली थे, जो शाम तक छंट गए थे। सोमवार को तापमान बढ़कर 38 डिग्री तक पहुंचने के प्रबल आसार हैं, सुबह के वक्त रंग-गुलाल की मस्ती के बीच तेज धूप थोड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। माना जा रहा है कि अगले छह दिन के भीतर रायपुर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार हो सकता है। यहां बीते दस साल में मार्च महीने में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री तक पहुंचा है, जिसके इस बार पीछे छूटने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

ओपीडी पर्ची के लिए अभी लंबी कतारें, रोजाना डेढ़ हजार मरीज

आंबेडकर अस्पताल के मरीज भी आएंगे आभा आईडी दायरे में, मोबाइल से बना सकेंगे ओपीडी पर्ची

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एम्स और जिला अस्पताल के तरह जल्द ही आंबेडकर अस्पताल के मरीज भी आभा आईडी के दायरे में आएंगे। अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को ओपीडी स्लीप बनवाने के लिए लंबी कतार लगाकर इंतजार नहीं करना होगा। आंबेडकर अस्पताल में रोजाना डेढ़ हजार से ज्यादा मरीज आते हैं, जिन्हें संबंधित परेशानी की जांच कराने के लिए औसतन आधे घंटे लाइन में लगना पड़ता है।

आंबेडकर अस्पताल प्रबंधन आभा आईडी योजना लागू करने की तैयारी में जुट चुका है। इसके लिए ओपीडी पर्ची बनाने वाले कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव करने के निर्देश दिए गए। आभा योजना लागू होने के बाद यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों का डेटा स्वास्थ्य योजना के तहत स्टोर कर लिया जाएगा और योजना संचालित करने वाले किसी अस्पताल में जाने के दौरान मरीजों को अपनी समस्या से संबंधित जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके साथ अस्पताल में आने के दौरान उन्हें लाइन लगाकर पर्ची कटवाने की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। योजना के तहत मरीजों को अपनी आभा आईडी तैयार कर मोबाइल के माध्यम से अस्पताल में लगे बार कोड स्कैन कर ओपीडी पर्ची बिना लाइन में लगे प्राप्त कर सकते हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स में मरीजों को आभा आईडी की योजना प्रदान की जाती है। इसके तहत मरीजों के उपचार से संबंधित डेटा भी सुरक्षित कर रखा जाता है। इसके अलावा जिला अस्पताल में भी यह योजना लागू है, जहां प्रचार-प्रसार के अभाव में मरीजों को इसका बहुत अधिक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

दिए हैं निर्देश

आभा योजना को लागू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। कंप्यूटर में इसके लिए आवश्यक बदलाव किया जाएगा।

- **डॉ. एसबीएस नेताम**, चिकित्सा अधीक्षक, आंबेडकर अस्पताल

खुद की पार्टी के कार्यकताओं की आवाज दबा रहे भूपेश: चंदेल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

भूपेश बघेल को मंच से उन्हें खरीखोटी सुनाने वाले सुरेंद्र दाऊ की मांग पर मिली पुलिस सुरक्षा

वरिष्ठ भाजपा नेता नारायण चंदेल ने कहा, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सच नहीं बोलने के लिए एक तरह से भूपेश बघेल ने अघोषित रूप से आपातकाल लागू कर रखा है। राजनांदगांव में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भूपेश बघेल को उनके सामने ही मंच से कांग्रेस के पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेंद्र दाऊ ने उपेक्षा करने का आरोप लगाया था। इसके बाद से सुरेंद्र दाऊ को धमकियां मिलने लगी हैं। ऐसे में उन्हें पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। भाजपा ने कहा लोकतंत्र की दुहाई देने वाले भूपेश बघेल अपनी ही पार्टी में जब तक सत्ता में थे तो उन्होंने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की। आज जब वे अपनी पीड़ा भूपेश बघेल को सुना रहे हैं तो ऐसे में वे उनकी आवाज को दबाने के लिए कार्यकर्ताओं को धमकियां तक दिलवा रहे हैं।

श्री चंदेल ने कहा, भूपेश बघेल ने अपने 5 साल के कार्यकाल में कार्यकर्ताओं को लेकर चलने के बजाए दलालों और भ्रष्ट अधिकारियों को मोहरा बनाकर प्रदेश की जनता को सरेआम लूटने का काम किया। जिसे छत्तीसगढ़ की जनता के साथ-साथ कार्यकर्ता भी जान चुके हैं। यही कारण है कि भूपेश बघेल जब राजनांदगांव में चुनाव प्रचार के दौरान जनसंपर्क कर रहे हैं तो उन्हें जनता की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। श्री चंदेल ने कहा, इस बार जनता कांग्रेस को लोकसभा के चुनाव में सबक सिखाएगी।

कर्मचारियों के साथ मुख्यमंत्री ने खेली होली

रायपुर। बगिया प्रवास के पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास के सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों संग होली खेलकर उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों का सहयोग मुझे सदैव मिलता रहता है, आप सभी हर्षोल्लास के साथ अपने परिवारजनों और मित्रों संग होली का यह पर्व मनाएं। होली का यह पर्व आप सभी के लिए मंगलमय हो। उन्होंने कहा कि आप सभी मेरा परिवार हैं।

बच्चों को ट्रैफिक रूल्स और रेगुलेशन की दी जानकारी

रायपुर। कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रायपुर के एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम सेमरिया में सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान नियमित रूप से प्रभातफेरी, योगा, व्यायाम, सफाई अभियान तथा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर टैफिक पुलिस टीके भोई ने बच्चों को ट्रैफिक रूल्स और रेगुलेशन पर जानकारी दी। इसी दौरान सेंचुरी सीमेंट कॉलेज के सहायक प्रध्यापक डॉ. कमलेश धीवर ने भारत की हानिरहित पौराणिक तकनीकी ज्ञान-वैदिक पद्धति पर व्याख्यान और नशामुक्ति केंद्र रायपुर द्वारा नशे से होने वाली समस्या एंव समाधान पर व्याख्यान दिया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी टोमेश्वर कुमार धीवर ने बताया कि इस शिविर में संस्था के सचिव हरजीत सिंह हूरा, कोलंबिया टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ. प्रो. एसके मौलिक, ग्राम सेमरिया के सरपंच मनीष नारंग, सहायक शिक्षक उदय कुमार रजक आदि शामिल थे।

केबिन में फंसे ट्रक ड्राइवर को तीन घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दुर्घटना के बाद कैबिन में फंसा ड्राइवर मदद की गुहार लगाता रहा, तेलीबांधा, वीआईपी चौक के पास शनिवार देर रात की घटना

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात रोड एक्सीडेंट में ट्रक के कैबिन में फंसे ड्राइवर को पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की टीम ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बाहर निकालने में कामयाबी पाई। पुलिस के अनुसार ट्रक में सरिया लोड था, जिसे ट्रक ड्राइवर जमशेदपुर से पूना ले जा रहा था। ब्रेक मारने के दौरान वह ट्रक हादसे का शिकार हो गया।

पुलिस के मुताबिक घटना दिनांक को ट्रक ड्राइवर उदयगिरी को रेस्क्यू कर बचाया गया है। पुलिस के अनुसार घटना दिनांक को उदयगिरी ट्रक चलाते हुए जा रहा था, इसी दौरान वीआईपी चौक के पास ट्रक के सामने एक कार आ गई। कार वाले को बचाने ट्रक ड्राइवर ने ब्रेक लगाया। अचानक ब्रेक लगाने की वजह से ट्रक का बैलेंस बिगड़ गया और सरिया कैबिन को चिरते हुए बाहर निकल गया तथा ट्रक ड्राइवर कैबिन में बुरी तरह से फंस गया।

कैबिन में फंसे ड्राइवर ने सुरक्षित बाहर निकलने अपने स्तर पर हरसंभव प्रयास कर लिया। असफल होने के बाद ट्रक ड्राइवर ने राह चलते लोगों से मदद करने की गुहार लगाई। इस दौरान राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस अपने साथ मेडिकल, फायर ब्रिगेड की टीम को साथ लेकर पहुंची। ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकालने सभी तरह के उपाय किए गए। बावजूद इसके ड्राइवर को बाहर निकालने में कामयाबी नहीं मिलने पर गैस कटर की मदद ली गई।

राशिफल

मेष – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 5463

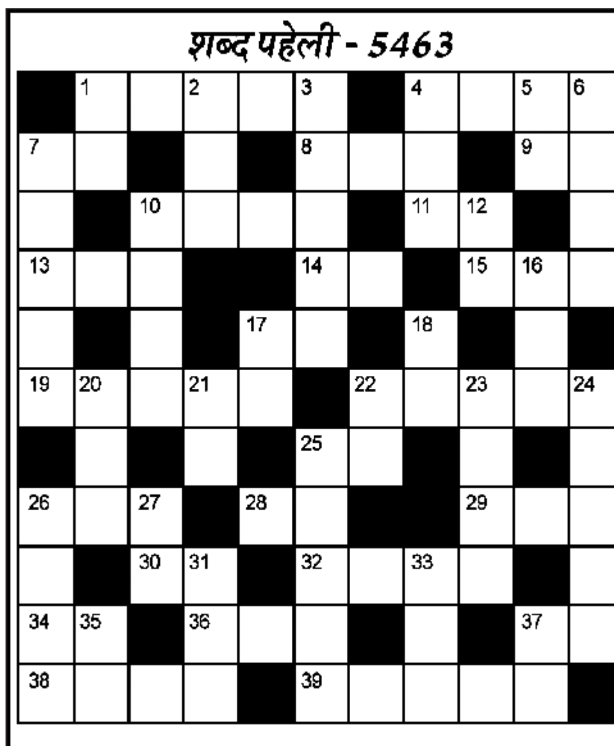

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 5462 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

सूडोकु नवताल- 5474

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5473 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

होली हवन : 200 से अधिक लोगों ने डाली आहुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वैदिक सत्संग समिति भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि के संयुक्त तत्वावधान में राम मंदिर में होली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राकेश दुबे ने कहा, यह पर्व नए अन्न का पर्व है। यज्ञ के माध्यम से अन्न को ईश्वर को समर्पित किया जाता है। वैदिक सत्संग समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने कहा, भारतीय संस्कृति में पर्वों का बहुत महत्व है। पूर्ण राम पर्व के द्वारा अपने जीवन को सुसंस्कृत करने का संदेश ऋषियों ने दिया है।

कार्यक्रम में सुशील स्वामी नंदकुमार ने मंत्र उच्चारण किया। मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा, पर्व जीवन को आनंद से भरने के लिए आते हैं। संस्कृत में पर्व का अर्थ है पूरा करना। जीवन में जो अधूरा है, उसे पूरा करने का संकल्प लेना सिखाते हैं पर्व। होली भी दिवाली का एक रूप है, क्योंकि दिवाली में भी अन्न की पूजा की जाती है और होली में भी अन्न की पूजा की जाती है। अन्न को ब्रह्म कहा गया है। होली का पर्व भक्ति का पर्व है। प्रहलाद को करने की कोशिश की गई, किंतु जाकर रखो साइयां मार सके न कोई। प्रहलाद की विजय भक्त की विजय है। यह भक्ति का पर्व है, हुड़दंग का नहीं। कार्यक्रम में संजय अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, डॉ. शिवकुमार शर्मा, संजय शर्मा, नंदकुमार यादव, नवीन कुमार यदु, संजय पोद्दार, संतोष अग्रवाल, शिवम गुप्ता, शीतल पटेल, अजय साहू, देवेश साहू, एसपी साहू, भूपेंद्र, कृष्ण कमल, नवीन शर्मा, संजय शुक्ला आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

यज्ञ का विज्ञान

यज्ञ धूम्रपान करने से खांसी, दमा, प्रतिश्याय, हनुग्रह, शिरारोग तथा वात-कफ जनित रोग नष्ट हो जाते हैं। औषधियों के धुएं का सेवन करने से इंद्रियां, वाणी तथा मन भी प्रसन्न होता है। बाल नहीं झड़ते, दांत सुदृढ़ होते हैं एवं मुख सुगंधित रहता है। वैज्ञानिक भी आज यज्ञ की महत्ता को स्वीकार करने लगे हैं।

डायरिया पीड़ितों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने अस्पताल पहुंचे पंकज

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- ग्रामीण विधानसभा के लभांडी में डायरिया, सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती

रायपुर ग्रामीण विधानसभा के विधायक प्रत्याशी रहे कांग्रेस नेता पंकज शर्मा रविवार को मेकाहारा एवं जिला अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने डायरिया से पीड़ित लोगों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ डॉ. राकेश गुप्ता एवं अरुण केडिया भी मौजूद थे। ज्ञात हो कि पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत लभांडी संकल्प सोसायटी एवं आसपास डायरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अब तक 100 से अधिक मरीज इससे पीड़ित हो चुके हैं, जिन्हें उपचार के लिए मेकाहारा एवं जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ितों में बुजुर्ग के साथ-साथ बच्चे भी शामिल हैं।

पीड़ित मरीजों से मुलाकात करने पहुंचे श्री शर्मा ने उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाने, डॉक्टरों से अच्छे से इलाज कर जल्द से जल्द मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने निवेदन किया। साथ ही उन्होंने उक्त क्षेत्र में डायरिया के प्रकोप को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन से अपील करते हुए कहा, बीमारी के रोकथाम के लिए उचित प्रबंध कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाए। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष माधव साहू, पार्षद धनेश राजा बंजारे, एल्डरमैन पप्पू बंदे, आशुतोष मिश्रा, बिरजू तबरेज, अक्कू नाग, जित्तू भारती, विकास बंदे, सजमन बाघ सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

होली के मद्देनजर पुलिस का फ्लैग मार्च

रायपुर। होली पर किसी भी तरह का हुड़दंग और अप्रिय घटनाएं रोकने रविवार शाम एसएसपी सहित तमाम पुलिस अफसरों ने पुलिस लाइंस से फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस अफसरों ने लोगों से शांतिपूर्वक होली मनाने की अपील की है। साथ ही नशे की हालत में तथा तीन सवारी दोपहिया वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी। होली के दिन आपराधिक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की स्थिति में लोगों से अपने क्षेत्र के संबंधित थाने में सूचना देने की अपील की है।

गाली-गलौज से रोकने पर राड से किया हमला

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक युवक ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गाली-गलौज करने से मना करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक सुंदर नगर निवासी आशीष उपाध्याय ने अज्ञात लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। आशीष ने पुलिस को बताया कि अज्ञात बदमाश उसके घर के सामने गाली-गलौज कर रहे थे। मना करने

भाजपा व्यापार, व्यावसायिक व आर्थिक प्रकोष्ठ करेगा हर विधानसभा में सम्मेलन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ, व्यावसायिक प्रकोष्ठ और आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में हर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन किया जाएगा। इन सम्मेलनों की रूपरेखा पर चर्चा करने तीनों प्रकोष्ठों की एक संयुक्त बैठक एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में हुई। बैठक में तय किया गया कि सम्मेलनों के मद्देनजर तीनों प्रकोष्ठों के प्रदेश पदाधिकारियों का संयुक्त दौरा पूरे प्रदेश में होगा।बैठक में प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा की शानदार जीत का संकल्प व्यक्त करते हुए तीनों प्रकोष्ठों की ओर से प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना ने कहा, प्रत्येक बूथ पर भाजपा के पक्ष में 370 मत बढ़ाने के संकल्प को लेकर प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचेंगे। बैठक में पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, राजेश अग्रवाल, प्रदीप सिंग, मुकेश शर्मा, सुभाष अग्रवाल, बजरंग खंडेलवाल, अभय भसीन, नीतेश दुबे, ठाकुरराम वर्मा, संतोष बैद, कमल पारख, कैलाशचंद्र अग्रवाल, सूरज सेन, सतीश छुगानी, संभाग सहप्रभारी अमरनाथ वर्मा, भुवनेश्वर यमेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिशप की अगवाई में निकली राजधानी में पाम संडे रैली

- सेंट पॉल्स कैथेड्रल से आकाशवाणी तिराहा, नलघर चौक, कालीबाड़ी चौक से वापस सेंटपॉल्स कैथेड्रल पहुंची

रायपुर। राजधानी में रविवार को पाम संडे रैली निकाली गई। यह रैली सेंट पॉल्स कैथेड्रल सीएनआई रायपुर से प्रातः 10.30 बजे बिशप की अगवाई में निकली। रैली में शामिल मसीही समाज के लोग ईसा मसीह के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली सेंटपॉल्स कैथेड्रल से सिविल लाइंस स्थित आकाशवाणी तिराहा, विद्याचरण शुक्ल चौक, नलघर चौक छोटापारा होते हुए कालीबाड़ी चौक, महिला थाना चौक से वापस सेंटपॉल्स कैथेड्रल पहुंची।

मसीही समाज की पाम संडे रैली का नेतृत्व बिशप एके नंदा ने किया। मुख्य अतिथि बिशप नंदा के साथ विशेष अतिथि डायसिस के सचिव नितिन लारेंस, कोषाध्यक्ष जयदीप रॉबिंसन सहित समाज के प्रमुख शामिल रहे। रैली में शामिल होने खजूर की डालियां लेकर व बैच लगाकर समाजजन पहुंचे थे। रैली को रुचि धर्मराज, सचिव सेंटपॉल कैथेड्रल, किरण सिंह कोषाध्यक्ष, जॉन राजेश पॉल, पाम संडे कन्वीनर ने भी संबोधित किया। इस मौके पर गिरिजाघर को खजूर की डालियों से सजाया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अनूठी परंपरा : ब्रज...

पंतोरा के बसने के साथ ही शुरु होती है। तब के पास के गांव छिंदपुर के लोग अपने कामकाज के सिलसिले में बिलासपुर आने जाने के लिए पंतोरा मार्ग का इस्तेमाल किया करते थे। इस दौरान वे विश्राम करने के उद्देश्य से मार्ग में पड़ने वाले एक तालाब के किनारे रूक जाया करते थे। उसी समय गांव की देवी ने कुछ ग्रामीणों को स्वप्न में आकर वहीं बसने के लिए कहा। जिसके बाद सबसे पहले ग्राम बकसरा के ठाकुर परिवार और छिंदपुर के जायसवाल परिवार ने यहां बसने की शुरूआत की। दो घर के बाद समाज के और भी अन्य वर्ग के लोग धीरे-धीरे यहां बसने लगे। इन गांव वालों ने गांव से बाहर कुछ दूरी पर माँ भवानी मंदिर की स्थापना की। इस मंदिर में पूजा अर्चना हेतु कंवर समाज के एक परिवार को बैगा की जिम्मेदारी सौंपी गई। व्यासनारायण जायसवाल के अनुसार इसी समय गांव में हैजा नाम की महामारी फैली, जिससे ग्रामीणों की मौत होने लगी। तभी भवानी मंदिर में पूजा अर्चना का कार्य करने वाले बैगा को देवी ने स्वप्न में बताया कि पास के मड़वारानी पहाड़ में जाकर वहां के जंगल से बांस की डंगाल काटकर लाने और उसकी पूजा पश्चात कुंवारी कन्याओं द्वारा हैजा से पीड़ित व्यक्ति को पांच बार मारने से बीमारी ठीक हो जाएगी। स्वप्न में आए इस संदेश से बैगा ने गांव के लोगों को अवगत कराया, जिसके बाद ग्रामीण इसे सच मानकर पैदल ही मड़वारानी पहाड़ पहुंचे। वहां के जंगल से बांस की डंगाल काटकर मड़वारानी में पूजा अर्चना पश्चात उसे गांव लाया गया। गांव में भवानी मंदिर में कुंवारी कन्याओं के हाथों पांच देवताओं की पूजा पश्चात इस डंगाल से हैजा से पीड़ित ग्रामीण को पांच बार मारा गया तो वह धीरे-धीरे स्वस्थ्य होने लगे। तब से इस गांव में रंग पंचमी के दिन इस परंपरा की शुरूआत हुई। वर्तमान में यह परंपरा आज भी निभाई जा रही है। होली के पांचवें दिन रंग पंचमी पर ग्रामीण मड़वारानी से बांस की डंगाल काटकर लाते हैं, भवानी मंदिर में गांव की कुंवारी कन्याओं द्वारा इस डंगाल की देवी के सामने पूजा अर्चना की जाती है और फिर नगाड़े की थाप के साथ कुंवारी कन्याएं डंगाल लेकर मंदिर से बाहर निकलती हैं। इस दौरान जो भी उनके सामने आता है उसे बांस के डंगाल से पीटती हैं। ऐसी मान्यता है कि बांस के इस डंगाल में मां भवानी का प्रताप रहता है। इससे पीटे जाने पर शरीर में मौजूद तमाम तरह की बीमारियों स्वमेव ही दूर हो जाती हैं। ग्रामीण बताते हैं कि उनके सामने अब तक एक भी ऐसा मामला नहीं आया है, जिसमें बांस के डंगाल से कुंवारी कन्याओं ने ग्रामीणों को पीटा हो और उनकी बीमारी ठीक न हुई हो। अब तो आसपास के अन्य गांव के लोग भी रंग पंचमी के दिन यहां आकर यह होली खेलते हैं। ग्रामीण इसे डंगनहाई होली के नाम से जाते हैं।

अमित का राजनीति...

शोषितों को कुचलने की राजनीति हो रही है। ऐसे में हमारे जैसे लोग आगे नहीं चल पाएंगे। राजनीति में इस तरह के मामलों को रोकने मैंने कई दल के लोगों से चर्चा कर अपनी बात रखी, पर उन दलों के लोगों ने मेरी बातों को गंभीरता से नहीं लिया। यह मेरे स्वभाव में नहीं। मैंने निर्णय लिया है कि ऐसी राजनीति से संन्यास लेना ही उचित होगा। मैं अपने पार्टी के पदाधिकारियों से चर्चा के बाद उन्हें इस बारे में बताने के बाद दो दिन गहन मंथन करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा हूं।

पीएससी टापर्स...

रूप से उत्तीर्ण किया गया है। उनकी पिछली कक्षाओं की अंकसूची तथा अन्य जानकारियां भी जुटाई जा रही है ताकि उनके अकादमिक प्रदर्शन का निरीक्षण किया जा सके।

गौरतलब है कि पीएससी भर्ती परीक्षा 2022 शुरुआत से ही विवादों में रही है। परिणाम जारी होने के बाद ही सभी सोशल साइट्स पर पीएससी ट्रोल होने लगी थी। थोक में पीएससी अधिकारियों तथा राजनेताओं के पुत्र-पुत्रियों, दामाद व अन्य रिश्तेदारों का चयन इसमें हुआ है। इसके बाद से ही अभ्यर्थी जांच की मांग करने लगे। विधानसभा चुनाव में भी यह एक मुख्य मुद्दा रहा।

एकला नहीं...

जरिए प्रदेश के सभी लोकसभा सीटों में प्रचार करेंगे।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में अंर्तकलह देखने को मिल रही है। पार्टी के पदाधिकारी एक दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। वहीं कई पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर लिया है। बड़े नेताओं के साथ पार्टी बचाने के साथ साथ खुद के राजनीतिक जीवन को बचाने की चुनौती है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने भी तीनों नेताओं से चर्चा कर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सक्रिय करने आपसी मतभेद भूलाकर एक मंच पर लाने के लिए मना लिया है।

चार्जिंग में लगा...

मजदूरी करता है। पत्नी बबीता (37) व चार बच्चों सारिका (10) , निहारिका (8), गोलू (6) और कल्लू (5) के साथ मोदीपुरम की जनता कॉलोनी में एक मकान में किराए पर रहता है।

बताया गया कि शनिवार शाम बच्चे कमरे में खेल रहे थे। कमरे में बेड पर तार बिखरे हुए थे और बच्चे मोबाइल का चार्जर बिजली के बोर्ड में लगा रहे थे। चार्जर लगाने के दौरान शॉर्ट सर्किट हो गया। तारों में आग लगने से मोबाइल में धमाका हुआ और बेड में आग लग गई।

वहीं, आग से घिरे बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। धमाके व बच्चों का शोर सुनकर जॉनी व बबीता रसोई से कमरे की ओर दौड़े। दोनों ने बच्चों को आग से झुलसी हालत में बाहर निकाला। बच्चों को बचाने के दौरान बबीता व जॉनी भी बुरी तरह झुलस गए। जॉनी के घर से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंच गए।

चाय रोटी खाने के...

कॉलेज अस्पताल लाया गया ।अस्पताल में चिक्तस्को ने परीक्षण उपरांत 3 वर्षीय अमृता को मृत घोषित कर दिया गया। कुछ सदस्यो को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई वही दो लोगो को उपचार के लिए अस्पताल में।भर्ती किया गया हैं।त्यौहार के दिन इस घटना से पूरे गांव में अजीब स्थिति बनी हुई है।ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

भोजशाला सर्वे के...

आपत्तियां ई-मेल के माध्यम से भेज दी हैं। समद ने कहा कि एएसआई के तीन दल परिसर के अंदर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं (मस्जिद वेलफेयर) सोसायटी का एकमात्र व्यक्ति हूं जो सर्वेक्षण के दौरान अंदर था। मेरी आपत्ति यह है कि एएसआई टीम को एक जगह पर काम करना चाहिए, न कि तीन स्थानों पर। एएसआई की एक टीम रविवार सुबह वरिष्ठ पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ इस आदिवासी बहुल जिले में विवादित परिसर में पहुंची। हिंदू पक्ष की ओर से याचिकाकर्ता आशीष गोयल और गोपाल शर्मा भी भोजशाला परिसर पहुंचे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शुक्रवार को सर्वेक्षण शुरू हुआ। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को एएसआई को छह सप्ताह के भीतर भोजशाला परिसर का 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' करने का निर्देश दिया।

मंदिर-मस्जिद के दावे के बाद सर्वे-

यह मध्यकालीन युग का स्मारक है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है। मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। सात अप्रैल 2003 को जारी एएसआई के आदेश के अनुसार, हिंदुओं को हर मंगलवार को भोजशाला परिसर के अंदर पूजा करने की अनुमति है, जबकि मुसलमानों को शुक्रवार को यहां पर नमाज अदा करने की इजाजत है।

बुराई पर अच्छाई...

विष्णुदेव साय को रंग गुलाल लगाकर होली खेला। ज्ञात हो कि जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के नेतृत्व और भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में आयोजित होली मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान टिकैतगंज स्थित करमटोली के सरना निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने निर्धारित समय पर पहुंचे।यहां पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश खरोश के साथ आत्मीय स्वागत किया।जिसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने होली पर्व की सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

ये रहे मौजूद-

कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय,प्रदेश संगठन मंत्री रामप्रताप सिंह,राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह,विधायक श्रीमती गोमती साय,लोकसभा प्रत्यासी राधेश्याम राठिया, जिलाध्यक्ष सुनील गुप्ता,जिला महामंत्री मुकेश शर्मा व भरत सिंह,जिला प्रवक्ता ओमप्रकाश सिन्हा,पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश राम भगत,श्रीमती शांति भगत,विक्रमादित्य सिंह जुदेव, शौर्य प्रताप सिंह जुदेव,विजय आदित्य सिंह जुदेव,नरेश नंदे,श्रीमती रजनी प्रधान,श्रीमती शारदा प्रधान,श्रीमती ममता कश्यप,उपेंद्र यादव,शंकर गुप्ता,रूपेश सोनी,विजय सहाय,मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह,विकास सोनी,देवधन नायक,दीपक चौहान,कृपाशंकर भगत,सरवर फैजान खान,दीपू मिश्रा,राहुल गुप्ता,नीतू गुप्ता,प्रतिमा भगत,मुन्नी बाई,नितिन राय सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जशपुर का बढ़ा मानः राय-

भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय ने कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर पहुंच होली मिलन समारोह में शामिल हो जशपुरवासियों के साथ होली खेल रहे हैं यह अत्यंत ही हर्ष का विषय है। हम सबके लाडले नेता विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिला पूरे देश में नाम कर रहा है और इस कारण जशपुर का मान सम्मान भी बढ़ रहा है।

स्व. जूदेव को किया ...

प्रकाश डाला,साथ ही होली पर्व मनाने के प्रचलन को सविस्तार पूर्वक बताया।श्री साय ने कहा कि इस पर्व में दुश्मन भी गले मिलकर नए जीवन का शुरुआत करते हैं।

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देंखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घरेलु सभी काम करने हेतु एक काम वाली बाई की आवश्यकता है (समय सुबह 8 बजे से शाम 6 तक) सम्पर्क करें- 9685901101 (33439)

आवश्यकता है-ऑल छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य, वेल्डर, कटर, फिटर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड, स्टोर कीपर, सुपरवाइजर, इंजीनियर, सभी 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 12000- 40000/- परमानेंट कंपनी हेतु मेडिकल+ रहना फ्री व्यापार विहार बिलासपुर 9111965184 (2610)

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, रायगढ़ जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राईवर की आवश्यकता है पीएफ, ईएसआई, मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेंद्र नगर बिलासपुर 9300803366, 9109930584 (33435)

आवश्यकता है- लुब्रिकेंट एवं टायर एजेंसी में मार्केटिंग 3 सेल्समैन एवं ड्राईवर की आवश्यकता है वेतन 8000 से 16000+ इंसेंटिव+ ट्रेवलिंग+ डीए एलाउंस संपर्क- सिंघानिया एंटरप्राइजेस, नियर श्रीराम टॉवर व्यापार विहार 7049016518,7974811410 (2611)

आवश्यकता है-हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं 8/10/12वीं फेल लड़कों/ लड़कियों ना हो निराश मेडि हब्स होम हेल्थ केयर से जुडकर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह+ रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें- ऑफिस रायपुर 77720111224 (3919)

आवश्यकता है-मार्केटिंग कार्य करने हेतु अनुभवी एवं फ्रेशर लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार स्वयं का मोबाइल एवं वाहन अनिवार्य सम्पर्क करें- माँ वैष्णो सुहाग भंडार तेलीपारा रोड बिलासपुर 9981846972 (33392)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Required- Experienced Office staff rqrd, good in Typing, English, Computer n Office work Contact- 7000559098 (33425)

बेचना

बेचना है- DPS स्कूल, बस स्टैण्ड बिलासपुर से 1.5km, GST Office से लगा। 80' चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर नवनिर्मित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स सेल/रेंट पर उपलब्ध, सम्पर्क- 9340090620, 7898918151 (33424)

बेचना है- मार्च धमाका ऑफर बिलासपुर नगर निगम T&C प्लॉट 7.5लाख, मंगला उसलापुर मकान 34लाख, कॉमर्शियल प्लॉट कोटा रोड में 351/-, 731/-, आसमासिटी फेस-1, 2BHK रेडी 35लाख, 90% फाईनेन्स सम्पर्क- 7000297197, 9179434551 (33313)

Sale - House For Sale 4bhk House In Rama Green City Infront Of Phase 2 Garden Total Area 3328 Sqft 60 Front 55 Depth Semi Furnished Contact Priyanshu Agrawal 8827244202 (33429)

बेचना है- साइज 25×48 का 1212 वर्गफुट पश्चिम मुखी वार्ड क्रमाक-7 सन्त कबिरदास वार्ड के अन्तर्गत गोविन्द नगर सिरगिट्टी बिलासपुर में प्लाट बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 7744010817 (33430)

बेचना है-बिलासपुर मंगला धुरीपारा Govt इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास मेनरोड से आधा किमी की दूरी पर सर्व सुविधायुक्त 3बीएचके डुप्लेक्स मकान 26लाख में बेचना है प्लॉट साइज 25×50 संपर्क- 7415087900, 9329940681 (2606)

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर...
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

किराया

किराया-रामा वर्ल्ड रायपुर रोड में फ्लैट नं.-B-97, 3BHK किराये से देना है एवं मुंगेली रोड मंगला चौक से सिंगल सिंगल रूम किराये से देना है सम्पर्क करें-9827175562 (33121)

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000-50000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क-APS इंटरप्राईजेस रायपुर 8602908677, 7477221345, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़ 7869755871 (2586)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये गये किसी भी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:- मो.9993567380, 8770837744
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो.9827168452, 9300625174
- रिद्धी-सिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:- मो.9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो.9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो.9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो.9826705603
- एड प्रयास:- मो.9826701269, 9926003943
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो.9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो.9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो.9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो.9826304304,9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो.9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो.9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

Medicare Specialists

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने, बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन: सुबह 9 से शाम 7 बजे रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

○ गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
○ शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
○ लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
○ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
○ आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें।
○ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
○ नि:संतान दम्पति आज ही मिले।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

ऑस्ट्रेलिया और यूके ने भी आयोजन के लिए पैसा नहीं होने का दिया था हवाला

मलेशिया भी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेजबानी से पीछे हटा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अगले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में होने हैं। हालांकि, अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि इन खेलों की मेजबानी कौन सा देश करेगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड और अब मलेशिया ने भी इन खेलों की मेजबानी करने से किनारा कर दिया है। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के एक स्टेट विक्टोरिया इस मेगा इवेंट के लिए मूल मेजबान था, जो कुछ समय पहले मेजबानी से पीछे हट गया। 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने वाले गोल्ड कोस्ट ने दिलचस्पी दिखाई कि वे फिर से इन खेलों की मेजबानी कर सकते हैं, लेकिन बात नहीं बन सकी।

इसके बाद यूके सरकार आगे आई, जिसने दक्षिण अफ्रीकी शहर डरबन के हार मानने के बाद 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया, लेकिन 2026 के गेम्स की मेजबानी के लिए इंग्लैंड तैयार नहीं है। और अब, एक अन्य देश ने निर्णय लिया है कि वह संकटग्रस्त खेलों को संकट से नहीं उबारेगा। इसने पहले से ही खराब स्थिति में एक और झटका दिया। ये देश मलेशिया है। ऐसे में अब इन खेलों की मेजबानी पर संकट है। इसके पीछे का कारण है कि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन करने में बहुत सारी लागत आती है और इससे हर कोई बचना चाह रहा है।

खर्च को लेकर हटा विक्टोरिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रांत विक्टोरिया ने दावा किया है कि इन खेलों की मेजबानी की लागत 4.5 बिलियन डॉलर के पार जा रही है। ऐसे में वे इसकी मेजबानी नहीं करेंगे। विक्टोरिया के पीछे हटने के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीजीएफ ने एक देश को मेजबानी के लिए अप्रोच किया। कई विकल्पों पर विचार करने के बाद लगा कि मलेशिया इन खेलों की मेजबानी कर सकता है, लेकिन 2023 में जैसा विक्टोरिया ने किया, वैसा ही 2024 में मलेशिया ने कर दिया।

गेम्स को नहीं मिलती तवज्जो

ओलंपिक, फीफा वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स कुछ ऐसे इवेंट जहां कुछ समय के लिए इकॉनमी बूम देखा जाता है। खेल के लिए काफी कुछ तैयार किया जाता है। इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाता है। यहां तक कि ब्रॉडकास्टिंग राइट्स भी भारी भरकम राशि में बिकते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ओलंपिक और फीफा वर्ल्ड कप को ग्लोबल रीच मिलती है, लेकिन कॉमनवेल्थ गेम्स को उतनी तवज्जो नहीं मिलती है, क्योंकि इन खेलों को ब्रिटिश एंपायर से जोड़कर देखा जाता है।

अपर्याप्त धन की पेशकश

मलेशिया ने लागत पर अनिश्चितता और अपर्याप्त धन की पेशकश के कारण प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

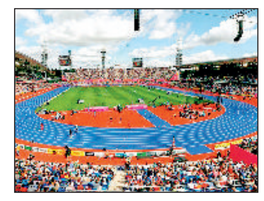

हालांकि, सीजीएफ ने समर्थन निधि में 100 मिलियन यूरो की पेशकश की, लेकिन मलेशियाई अधिकारियों ने इसे अपर्याप्त माना। हालांकि, उन्होंने कहा कि फंडिंग पर्याप्त नहीं थी, उन्होंने यह भी कहा कि वे इतने कम समय में और संभावित आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए कम समय में कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हो सकते।

सीजीएफ का क्या है अगला कदम

COMMONWEALTH GAMES CGF FEDERATION

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीजीएफ को 2026 में अगर खेलों की मेजबानी करानी है तो इसके लिए सिंगापुर या कनाडा की एक सिटी को अप्रोच करना होगा। इसके अलावा दूसरा विकल्प ये है कि इन खेलों को एक साल के पोस्टपोन किया जाए। तीसरा विकल्प है कि फंडिंग को और भी ज्यादा बढ़ाया जाए ताकि अन्य देश इन खेलों की मेजबानी के लिए आगे आएं।

खास खबर

श्रीकांत स्विस ओपन से बाहर, लिन से हारे

बासेल। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत की स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत की लय यहां चीनी ताइपे के लिन चुन यि से सेमीफाइनल में मिली हार के बाद खत्म हो गई। पूर्व नंबर एक श्रीकांत एक गेम की बढ़त के बावजूद शनिवार रात एक घंटे पांच मिनट तक चले अंतिम चार मुकाबले में लिन चुन यि से 21-15, 9-21, 18-21 से हार गए। इस हार से 210,000 डॉलर राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

पंत कुछ समय में फॉर्म हासिल कर लेगा : सिद्धू

चंडीगढ़। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिद्धू को भरोसा है कि कार दुर्घटना के बाद लगभग 15 महीने बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही फॉर्म में वापसी कर लेंगे। वह कार दुर्घटना से उबरने और 'रिहैबिलिटेशन' के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे लेकिन वापसी में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा, 'वह दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहा है और विकेटों के बीच में अच्छी तरह दौड़ रहा है। वह अच्छा क्रिकेट खेल रहो है।

पोरेल का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा

चंडीगढ़। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे का कहना है कि मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान उनका एक मुख्य तेज गेंदबाज भी चोटिल हो गया जो उनके अभियान की अच्छी शुरुआत नहीं है लेकिन अभिषेक पोरेल की धमाकेदारी छोटी पारी सकारात्मक चीज है। अंतिम ओवरों में पोरेल को 'इम्पैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर उतारा। इस 25 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने आते ही 10 गेंद में नाबाद 32 रन ठोककर अपनी टीम को नौ विकेट पर 174 रन का स्कोर बनाने में मदद की।

खबर संक्षेप

आंद्रे रसेल बेहतरीन स्ट्राइकर हैं : फिल

कोलकाता। आंद्रे रसेल ने अंतिम ओवरों में छक्के जड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचाया और उनके साथी फिल सॉल्ट का कहना है कि यह आल राउंडर अगर किसी दिन फॉर्म में आ जाये तो उस दिन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन जाता है। रसेल ने शनिवार को 25 गेंद में सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 64 रन की पारी खेलकर केकेआर को सात विकेट पर 208 रन के स्कोर तक पहुंचाया। केकेआर की जीत के बाद कहा, 'मैं ड्रे (रसेल) के साथ 'द हंड्रेड' में खेल चुका हूं। वह गेंद के शानदार स्ट्राइकर हैं।'

रमनदीप ने रसेल के लिए मंच तैयार किया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रमनदीप सिंह की पारी भले ही आंद्रे रसेल की छक्कों जड़ित तूफानी पारी के सामने नजरअंदाज हो गई। लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि उनकी 35 रन की पारी ने जमैका के विस्फोटक बल्लेबाज की मैच विजेता पारी के लिए मंच तैयार किया। रमनदीप 2022 में मुंबई इंडियंस के साथ प्रभावित नहीं कर सके थे लेकिन इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने बहुत ही नाजुक स्थिति में चार छक्के और एक चौका लगाकर 35 रन की पारी खेली।

एमसीए अपने खिलाड़ियों पर करेगा पैसों की बारिश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मुंबई क्रिकेट संघ ने शनिवार को घोषणा की है कि वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों के लिए आगामी 2024-25 सत्र से घरेलू क्रिकेट में बीसीसीआई द्वारा दी जाने वाली मौजूदा मैच फीस के बराबर राशि बढ़ाएगा। एमसीए अध्यक्ष अमोल काले ने यह घोषणा की। एमसीए ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य रणजी ट्रॉफी के अहमियत को बढ़ावा देना और एमसीए के अंतर्गत होने वाले लाल गेंद के क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना है।

एमसीए अध्यक्ष काले ने बीसीसीआई की घरेलू फीस के बराबर करने का प्रस्ताव रखा जिसे राज्य इकाई की शीर्ष परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। काले ने कहा, 'एमसीए अगले सत्र से हर खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अतिरिक्त मैच फीस का भुगतान करेगा। हमें लगा कि खिलाड़ियों को अधिक कमाई करनी

चाहिए, विशेषकर जो रणजी ट्रॉफी क्रिकेट खेलते हैं। हमारे लिए लाल गेंद का क्रिकेट बहुत मायने रखता है क्योंकि रणजी ट्रॉफी मुंबई में सभी के लिए एक विशेष स्थान रखती है।' यह घोषणा मुंबई द्वारा रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीतने के एक हफ्ते के बाद की गयी है। मुंबई की जीत के बाद एमसीए ने भी बीसीसीआई द्वारा दी गयी पांच करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के बराबर राशि दी थी।

हरियाणा के मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पक्के किए 19 पदक

एजेंसी ⏭ ग्रेटर नोएडा

हरियाणा के 19 मुक्केबाजों ने दबदबे भरा प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां तीसरी सब जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए। हरियाणा की लड़कियों ने 10 जबकि लड़कों ने नौ वर्गों के सेमीफाइनल में जगह बनाई जिससे उनका कम से कम कांस्य पदक पक्का हो गया। लड़कियों के वर्ग में भूमि (35 किग्रा) और निश्चल शर्मा (37 किग्रा) ने विपरीत अंदाज में जीत के साथ हरियाणा के लिए अच्छे दिन की शुरुआत की।

भूमि ने दिल्ली की अपेक्षा को रेफरी द्वारा तीसरे दौर में मुकाबला रोकने के मात दी जबकि निश्चल ने तमिलनाडु की एस सारा को 3-2 से हराया। दीक्षा (40 किग्रा), दीया (61 किग्रा), सुखरीत (64 किग्रा) और मंशी मलिक (67+ किग्रा) ने सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से जीत हासिल की। राखी (43 किग्रा) और नव्या (55 किग्रा) ने आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से मुकाबले जीते। खुशिका (49 किग्रा) और नैतिक (52 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हरियाणा की अन्य मुक्केबाज रहीं।

5-0 से जीते उदय

बालक वर्ग में अपनी जीत की लय जारी रखते हुए उदय सिंह (37 किग्रा) ने मिजोरम के जेरी वर्टे पर 5-0 से आसान जीत हासिल की। नितिन (40 किग्रा), रवि सिहाग (49 किग्रा), नमन (58 किग्रा), सिद्धांत (61 किग्रा) और कार्तिक डागर (70 किग्रा) ने 5-0 के फैसले के साथ अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते। हरियाणा के संचित जयानी (46 किग्रा), लक्ष्य (52 किग्रा) और अनमोल दहिया (64 किग्रा) भी सेमीफाइनल में पहुंच गए।

पिछले दशक में भारतीय फुटबॉल में सुधार हुआ

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

अफगानिस्तान के फुटबॉल कोच एश्ले वेस्टवुड ने रविवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल में पिछले एक दशक में काफी सुधार हुआ है जिसमें खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार करना और सही 'कंडीशनिंग' का अहम योगदान रहा है। वेस्टवुड ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी पहले की तुलना में अब अधिक फिट हो गए हैं और मैदान पर भी ज्यादा समय बिताने में सक्षम हो गए हैं। वेस्टवुड ने कहा, '10 साल पहले जब मैं यहां आया था तो तब की तुलना में भारतीय फुटबॉल में काफी सुधार हुआ है। हर खिलाड़ी शारीरिक रूप से फिट है। हर किसी को अच्छी तरह से ट्रेनिंग दी गयी है और वे 90 मिनट तक मैदान पर खेलते हैं। अब आप भारतीय खिलाड़ियों को मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए नहीं देखते।' इंग्लैंड के वेस्टवुड अभी अफगानिस्तान और भारत के बीच विश्व कप क्वालीफायर के लिए गुवाहाटी में हैं। वह भारत में बेंगलुरु एफसी, एटीके एफसी और राउंडग्लास पंजाब एफसी जैसे क्लबों को कोचिंग दे चुके हैं।

चेन्नई में खेला जाएगा आईपीएल फाइनल! प्लेऑफ मैच के लिए दो मैदान शार्टलिस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन की शुरुआत हो चुकी है और अब तक तीन मुकाबले खेले भी जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव के कारण शुरुआती 21 मैचों का ही शेड्यूल जारी हुआ है। ऐसे में फैन्स को बाकी मैचों के शेड्यूल का बेसब्री से इंतजार है। बीसीसीआई आईपीएल 2024 के शेष मैचों के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे चुका है और जल्द ही इसे जारी किया जाएगा। उधर आईपीएल 2024 के शेड्यूल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 26 मई को चेन्नई के एमए

चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा सकता है। वहीं अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा क्वालीफायर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। बता दें कि लीग स्टेज में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मैच होगा। क्वालीफायर-1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर के विजेता के बीच क्वालीफायर-2 मैच का आयोजन होगा। फिर क्वालीफायर-1 और 2 के विजेताओं के बीच फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा।

केन्या के ओबुया ने क्रिकेट लिया संन्यास

नई दिल्ली। केन्या के पूर्व कप्तान कोलिंस ओबुया ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। अफ्रीकन गेम्स ब्रॉन्ज मेडल मैच में युगांडा के खिलाफ मिली हार के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। युगांडा ने केन्या को 106 रन से हराया, जबकि जिम्बाब्वे ने नामिबिया को 8 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। बता दें कि कोलिंस ओबुया ने साल 2001 में वनडे डेब्यू साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलकर किया था। आखिरी बार उन्होंने 50 ओवर के इस फॉर्मेट में स्कॉटलैंड के खिलाफ 2014 में किया था। दरअसल, 42 साल के कॉलिन ने साल 2003 विश्व कप में केन्या को श्रीलंका के खिलाफ मैच में 53 रन से जीत दिलाई थी। कॉलिन ने उस मैच में 5 विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम की कमर तोड़कर रख दी थी। इसके बाद 2003 विश्व कप के सेमीफाइनल में केन्या को भारत के हाथों 91 रन से हार झेलनी पड़ी थी।

नए चेहरे आईपीएल में शुरू से ही छाप छोड़ेंगे

मुंबई। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी चरण के लिए उनकी टीम में शामिल किए गए नए खिलाड़ी शुरू से ही छाप छोड़ने में कामयाब होंगे। फ्रेंचाइजी का लक्ष्य नए कप्तान हार्दिक पंड्या की अगुआई में रिकॉर्ड छठा खिताब हासिल करना है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने इस बार दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी, अंडर-19 विश्व कप के अनकैप्ड स्टार क्वेना

मफाका, इंग्लैंड के ल्यूक वुड, श्रीलंका के नुवान तुषारा, वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को शामिल किया है। भारतीयों में श्रेयस गोपाल को भी शामिल किया गया है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका के बाहर होने के बाद मफाका पिछले हफ्ते मुंबई शिविर में शामिल हुए जबकि वुड को आस्ट्रेलिया के चोटिल गेंदबाज जेसन बेहरेनडोर्फ की जगह शामिल किया गया।

बेंगलोर के गेंदबाजों ने पहले मैच में की लचर गेंदबाजी

पंजाब के खिलाफ आरसीबी का मुकाबला आज

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग 2024 चरण में सिर्फ एक ही मैच खेला है लेकिन इसने उनकी गेंदबाजी की कमजोरी को उजागर कर दिया है। इससे सोमवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच में उन्हें गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इस चरण के शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज आंख बंद करके शॉर्ट पिच गेंद फेंकने की रणनीति पर डटे रहे जबकि चेपॉक की पिच पर स्पिनरों के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। आरसीबी के तीन स्पिनरों मयंक डागर, कर्ण शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल ने मिलकर पांच ओवर फेंके और वे बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके। इन तीनों ने मिलकर 37 रन देकर महज एक विकेट झटका।

शीर्ष क्रम को करना होगा शानदार प्रदर्शन

आरसीबी ने शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद सीएसके के खिलाफ छह विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी ने 75 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन दिनेश कार्तिक और अनुज रावत ने सूझ समझ से खेलकर स्कोर 170 रन के पार कराया। लेकिन हर बार निचला क्रम विश्वसनीय साबित नहीं हो सकता क्योंकि विराट कोहली, कप्तान फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बड़ी पारी खेलनी ही होगी। रजत पाटीदार को भी निश्चित रूप से अच्छी पारी खेलनी होगी जिससे उनसे आगे वाले बल्लेबाजों को थोड़ी मदद मिले।

छोटी बाउंड्री से चुनौती

आरसीबी के स्पिनरों को यहां छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड पर मुश्किल परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। इस स्टेडियम में ज्यादातर मौकों पर टीम ने एक पारी में 200 से अधिक रन जुटाये हैं और ऐसा 27 दफा हो चुका है तथा इस पिच पर आईपीएल में पहली पारी का औसत स्कोर 172 रहा है। इससे पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी के तेज गेंदबाजों को भी जिम्मेदारी से खेलना होगा। मोहम्मद सिराज, अल्जारी जोसफ और यश दयाल ने सीएसके के खिलाफ एक ओवर में दो बाउंसर डालने के अपने कोटे का पूरा इस्तेमाल किया लेकिन इस दौरान वे अपनी लाइन एवं लेंथ पर लगाम खो बैठे। यह उनके रन देने की गति से भी साफ दिखा। चौथे तेज गेंदबाज कैमरून ग्रीन ने कटर गेंदों का इस्तेमाल किया जिससे उन्हें दो विकेट मिले।

तीस साल से दुनिया से कटा हुआ है ये देश, खूबसूरती देख दीवाने हो जाते हैं लोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर कोरिया के अलावा एक ऐसा देश भी है जो दुनिया के हर देश से अलग-थलग पड़ गया है। इस देश का नाम तुर्कमेनिस्तान है। दरअसल, तुर्कमेनिस्तान पिछले 28 सालों से बाकी दुनिया से कटा हुआ है। यहां भी उत्तर कोरिया जैसी तानाशाही है। तुर्की मध्य एशिया में स्थित एक देश है। इस देश को तुर्कमेनिस्तान के नाम से भी जाना जाता है। यह देश 1991 तक सोवियत संघ का एक घटक गणराज्य था। लेकिन अब इस देश के लोग न तो खुलकर बोल सकते हैं और न ही उन्हें कहीं भी आने-जाने की आजादी है।

जनसंख्या लगभग 50 लाख

तीन दशक से दुनिया से कटा हुआ है ये देश, खूबसूरती देख दीवाने हो जाते हैं लोग

तुर्कमेनिस्तान की जनसंख्या लगभग 50 लाख है। 1991 में सोवियत संघ से अलग होने के बाद सपरमारुत नियाज़ोव ने तुर्कमेनिस्तान की सत्ता संभाली। इसके बाद नियाज़ोव ने इस देश में तानाशाही शुरू कर दी। इसके कारण यहां के लोगों ने अपने बुनियादी अधिकारों के लिए लड़ना शुरू कर दिया।

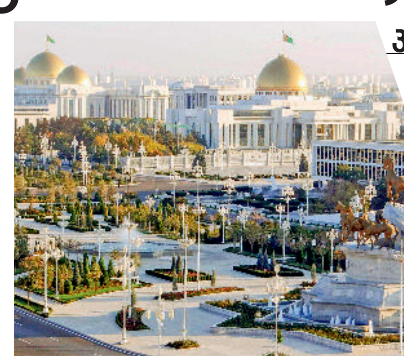

आने जाने पर प्रतिबंध

तानाशाही का आलम यह हो गया कि लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। वे खुलकर बोल भी नहीं पाते। ऐसा लगता है कि यहां के लोग न तो मीडिया के जानकार हैं और न ही फोटोग्राफी के। लेकिन यहां आपको हर जगह राष्ट्रपति के पोस्टर दिख जाएंगे।

पर्यटकों को करता है आकर्षित

हालांकि तुर्कमेनिस्तान बाकी दुनिया से अलग है, लेकिन यह दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता है। हालांकि, इस देश में लोगों को मुफ्त प्राकृतिक गैस समेत कई सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन अपने नागरिकों को सीमित कानूनी अधिकार देने के लिए देश की हमेशा आलोचना की जाती रही है।

खोज

रहस्यमयी वस्तुएं देखकर खोजकर्ता हैरान

हजारों साल पुरानी गुफा में मिले दीये-खोपड़ियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रहस्यों से भरी इस धरती पर अक्सर ऐसी चीजें देखने को मिल जाती हैं, जो हैरान कर देती हैं। ऐसा ही कुछ इजराइल के येरुशलम में देखने को मिला। पुरातत्वविदों को यहां एक प्राचीन द्वार मिला है। हजारों साल पुरानी इस गुफा के अंदर जब वैज्ञानिक गए तो हैरान रह गए। अंदर तेल के लैंप, खोपड़ियां, लैंप, सिक्के और कलाकृतियां मिलीं। हार्वर्ड थियोलॉजिकल रिव्यू में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यहां ऐसे साक्ष्य हैं जो रोमन युग में नेक्रोमेंसी या मौत के जादू की प्राचीन प्रथा की ओर इशारा करते हैं। यहां के लोग आत्माओं से सीधे संवाद करने की कोशिश करते थे।

मृतकों से संवाद करने की कोशिश

येरुशलम से लगभग 30 किमी पश्चिम में पहाड़ियों में टोमिम गुफा है, जिसका अध्ययन 1873 से किया जा रहा है। विशेषज्ञों को लंबे समय से संदेह है कि यहां बहने वाले भूमिगत झरने के पानी का उपयोग 4 हजार ईसा पूर्व और चौथी शताब्दी के बीच यहां रहने वाले लोगों द्वारा उपचार के लिए किया जाता था। इस जगह का इस्तेमाल मृतकों से संवाद करने की कोशिश के लिए किया जाता था। यानी एक तरह से समझा जाए तो तांत्रिक क्रियाएं होती थीं। इस गुफा का उपयोग दूसरी शताब्दी ईस्वी में बार कोखबा विद्रोह के दौरान यहूदी विद्रोहियों के लिए ठिकाने के रूप में किया गया था। यह गुफा बहुत गहरी है। इसीलिए इसका संबंध मृत्युलोक से माना जाता है। और इसी वजह से यहां तांत्रिक क्रियाएं की जाती हैं।

गुफा में नेक्रोमेंसी समारोह आयोजित किए गए

शोधकर्ताओं के अनुसार, रोमन काल के दौरान गुफा में नेक्रोमेंसी अनुष्ठान होते थे। यहां देवी-देवताओं का आह्वान किया गया। लेकिन बार कोखबा विद्रोह के पतन के बाद, पूरे क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन आया। पहले यह एक यहूदी इलाका था। लेकिन बाद में रोमन साम्राज्य ने यहां के अधिकांश यहूदी लोगों को या तो नष्ट कर दिया या विस्थापित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि ये अनुष्ठान उन्हीं के द्वारा किए जाते हैं। जादू-टोना करने के लिए तेल के लैंप, चीनी मिट्टी और कांच के कटोरे और बर्तन, कुल्हाड़ी और खंजर का उपयोग किया जाता था। इसीलिए इस दुर्गम गुफा को मृत आत्माओं से संपर्क का प्रवेश द्वार माना जाता था। यहां के लोगों का मकसद भविष्यवाणी करना और मृत आत्माओं को जगाना था।

चट्टानों की दरारों में छिपा हुआ

पुरातत्वविद येरुशलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के गुफा अनुसंधान केंद्र के सहयोग से गुफा की खुदाई कर रहे हैं। उन्हें कई अप्रत्याशित चीजें मिलती हैं। उन्होंने कई दिलचस्प वस्तुएं दिखाईं, जिनमें तेल के दीपक से लगभग 2 हजार साल पहले के तीन मानव खोपड़ी के टुकड़े, 120 तेल के दीपक, प्राचीन मिट्टी के बर्तन और कांस्य युग के हथियार शामिल थे। वे व्यवस्थित रूप से चट्टानों की दरारों में छिपे हुए थे। बार इलान विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् और अध्ययन के सह-लेखक डॉ. बोअज़ जीसस ने कहा कि नेक्रोमेंसी की प्रथा भी तब शुरू हुई जब नई बुतपरस्त आबादी यहां रहने आई। हाल की खुदाई से वहां किए जाने वाले प्राचीन अनुष्ठानों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिली है।

दूध की प्रति व्यक्ति खपत में फिनलैंड आगे

इस देश में हर व्यक्ति साल में पी जाता है 430 किलो दूध

नई दिल्ली। यूएन ने हाल में खुशहाल देशों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें फिनलैंड को लगातार सातवें साल पहला स्थान मिला है। फिनलैंड नॉर्डिक इलाके का देश है। नॉर्डिक क्षेत्र उत्तरी यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक का भौगोलिक और सांस्कृतिक इलाका है। इसमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। फिनलैंड के बारे में एक फैक्ट यह भी है कि दुनिया में दूध की प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा खपत इसी देश में है। इस देश में दूध की सालाना प्रति व्यक्ति खपत 430 किलो है। यानी हर आदमी रोजाना एक किलो से अधिक दूध पी जाता है। अगर भारत के हिसाब से देखें तो फिनलैंड में दूध की प्रति व्यक्ति खपत करीब पांच गुना ज्यादा है।

खबर के मुताबिक प्रति व्यक्ति दूध के खपत के मामले में फिनलैंड के बाद दूसरे नंबर पर मोंटेनेग्रो है। इस देश में दूध की पर कैपिटा सालाना खपत 249 किलो है। मिल्क कंजम्पशन में टॉप 10 देशों में नौ देश यूरोप के हैं। नीदरलैंड में प्रति व्यक्ति सालाना दूध की खपत 341 किलो, स्वीडन में 341 किलो, स्विट्जरलैंड में 318 किलो, अल्बानिया में 303 किलो, लिथुआनिया में 295 किलो, आयरलैंड में 291 किलो, कजाखस्तान में 288 किलो, एस्तोनिया में 284 किलो, डेनमार्क में 277 किलो और नॉर्वे में 261 किलो है।

भारत का हाल

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में 24.64% हिस्सेदारी है। पिछले नौ साल में इसमें सालाना 5.85% की रफ्तार से तेजी आई है। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 146.31 मिलियन टन था जो 2022-23 में 230.58 मिलियन टन पहुंच गया। लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में भारत दुनिया में काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपत 84 किलो है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं आगे है। वहां प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 183 किलो है।

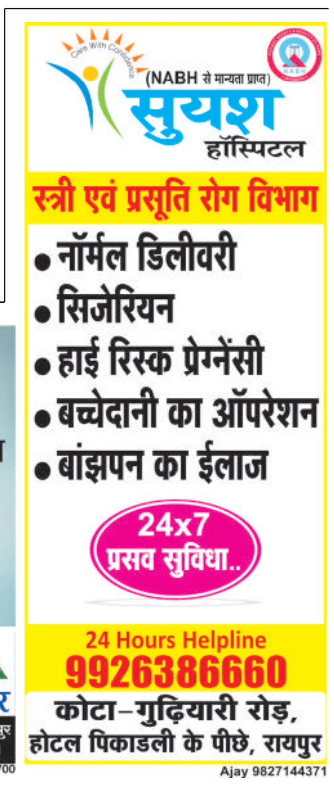

बृहस्पति पर दिखा पृथ्वी से बड़ा 'लाल धब्बा', 13 हजार किमी दूर से आया फोटो

नई दिल्ली। हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति कई रहस्यों से घिरा हुआ है। इस गैसीय ग्रह की पहचान करने और इसके बारे में और अधिक जानने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कुछ अंतरिक्ष यान भेजे हैं। वे बृहस्पति ग्रह का चक्कर लगा रहे हैं और उसकी खोज कर रहे हैं। इसी क्रम में बृहस्पति पर पृथ्वी से भी बड़ा 'लाल धब्बा' देखा गया है। उन्होंने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया। नासा के जुनाओ अंतरिक्ष यान ने 13 हजार किलोमीटर दूर से यह तस्वीर ली है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में लाल धब्बा आसानी से देखा जा सकता है। नासा के मुताबिक जूनो अंतरिक्ष यान ने यह तस्वीर 13917 किलोमीटर की दूरी से ली है। जानकर हैरानी होगी कि यह लाल धब्बा एक तूफान है, जो पिछले 350 सालों से बृहस्पति पर बन रहा है। नासा की छवि में ग्रेट रेड स्पॉट देखा जा सकता है। इसमें भूरे, नारंगी रंग की सर्पीन आकृति भी दिखाई दे रही है। नासा का कहना है कि बृहस्पति के वायुमंडल में एक उच्च दबाव वाला क्षेत्र 350 से अधिक वर्षों से एंटीसाइक्लोनिक तूफान पैदा कर रहा है।

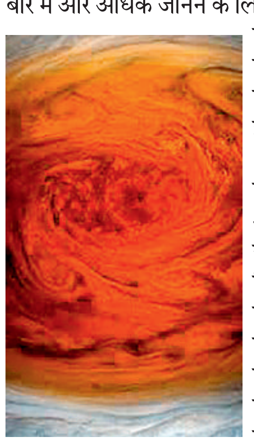

इसके बारे में पहली बार 1979 में पता चला था। वोयाजर अंतरिक्ष यान ने लाल धब्बा देखा था। तब से यह तूफ़ान छोटा होता जा रहा है। इसकी ऊंचाई और चौड़ाई दोनों में कमी देखी गई है। ग्रेट रेड स्पॉट का आकार पृथ्वी से दोगुना है। यह तूफ़ान बृहस्पति के बादलों से लगभग 300 किमी नीचे मौजूद है। बृहस्पति पर ठोस ज़मीन न होने के कारण तूफ़ान कमज़ोर नहीं पड़ रहा है। यहां करीब 643 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जूनो अंतरिक्ष यान को साल 2011 में लॉन्च किया गया था। यह एक बास्केटबॉल कोर्ट जितना बड़ा अंतरिक्ष यान है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com